https://kkrnews.in/

RNI NO MPHIN/2021/82667

सुविचार

देश की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। भारतीय सेना के जवान हमेशा देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

दैनिक

ख़बरों की रोशनी

KKR NEWS

वर्ष-4 अंक-284 भोपाल, शुक्रवार 18 जुलाई 2025 पृष्ट-8 मूल्य 2 रुपय

मध्यप्रदेश बनेगा वैश्विक वस्त्र विनिर्माण का नया केंद्र - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश बना ट्रेसिबल टेक्सटाइल का हब इंडिटेक्स ने मध्यप्रदेश के ईएसजी मॉडल और टेक्सटाइल इकोसिस्टम को सराहा

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्पेन यात्रा के दूसरे दिन का फोकस वैश्विक कपड़ा एवं फैशन क्षेत्र के दिग्गजों से निवेश संवाद का रहा। स्पेन के गैलिसिया स्थित इंडिटेक्स मुख्यालय में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को हरित, लागत-प्रतिस्पर्धी और ट्रेसिबल उत्पादन हब के रूप में प्रस्तुत किया। बैठक में इंडीटेक्स समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापारिक साझेदारी और सतत निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार टेक्सटाइल क्षेत्र में वैश्विक साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इंडिटेक्स जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड की उपस्थिति से राज्य में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और हरित उत्पादन को गति मिलेगी। हम इस साझेदारी को सभी स्तरों पर समर्थन देने को तत्पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार मूल्यों को बढ़ावा देती है। वॉटर रिसायक्लिंग, वेस्ट मैनेजमेंट और डीसेंट वर्क स्टैंडर्ड्स राज्य में लागू हैं। इंडिटेक्स की जिम्मेदार सोर्सिंग नीति के साथ मध्यप्रदेश की दृष्टि पूरी तरह से मेल खाती है।

प्रदेश के ईएसजी मॉडल की सराहना

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विकसित किये जा रहे ईएसजी (पर्यावरण सामाजिक और सुशासन) मॉड्यूल को वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इंडिटेक्स के श्री जोसे एम रोमाये और मार्था फ्रांकोस रे ने राज्य के ईएसजी मॉडल की सराहना करते हुए इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि मध्यप्रदेश का यह मॉडल स्थिर विकास, समावेशिता और सुशासन के लिये एक रोल मॉडल बन सकता है। उन्होंने प्रदेश में ईएसजी लक्ष्यों को नीति निर्माण में हो रहे प्रयासों और टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश के लिये उपलब्ध इकोसिस्टम की सराहना की।

मध्यप्रदेश टेक्सटाइल सेक्टर के लिए आदर्श स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश के शीर्ष कच्चा कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, जहाँ सालाना लगभग 18 लाख बेल्स (3 लाख मीट्रिक टन) का उत्पादन होता है। राज्य में 15 से अधिक टेक्सटाइल क्लस्टर हैं इसमें इंदौर, मंदसौर, बुरहानपुर, उज्जैन, नीमच जैसे केंद्र टेक्सटाइल उत्पादन में अग्रणी हैं।

पीएम मित्रा पार्क- इंडिटेक्स के लिए सुनहरा अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि धार जिले में भारत सरकार की पीएम मित्रा योजना के अंतर्गत विकसित हो रहा टेक्सटाइल मेगा पार्क इंडिटेक्स जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए सस्टेनेबल और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग का आदर्श केंद्र बन सकता है।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस पार्क में गारमेंटिंग यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

ऑर्गेनिक कॉटन में भागीदारी का आह्वान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश भारत का अग्रणी ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादक है। राज्य में यहां विशेषकर निमाड़ और मालवा क्षेत्रों में बहुतायत में कॉटन का उत्पादन होता है। यहाँ सर्टिफाइड किसान समूह सक्रिय हैं, जो इंडिटेक्स की सस्टेनेबिलिटी और ट्रेसिबिलिटी नीतियों के लिए आदर्श साझेदार हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फार्मर-टू-फैब्रिक वैल्यू चेन पर इंडिटेक्स के साथ मिलकर काम करने का सुझाव दिया। कॉटन टू कार्बन फाइवर में भी मध्यप्रदेश आगे बढ़ रहा है।

निर्यात और वैश्विक संभावनाएँ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य से टेक्सटाइल और गारमेंट का वार्षिक निर्यात 7 हजार करोड़ रूपये से अधिक है, जिसमें यूरोपीय संघ प्रमुख है। उन्होंने बताया कि इंडिटेक्स जैसे ब्रांड की साझेदारी से यह आंकड़ा 10 हजार करोड़ रूपये तक पहुँच सकता है, जिससे स्थानीय रोजगार और महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा।

नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली तथा जन संवाद का आयोजन

स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किए गए आयोजन छात्र-छात्राओं तथा आमजनों के नशे के खिलाफ़ किया गया अवैयर

भोपाल। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत आज दिनाँक 17 जुलाई को नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त थाना क्षेत्रों में ज़न जागरूकता रैली एवं जन संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें छोला थाना प्रभारी सुरेश चंद्र नागर विध्या सागर स्कूल छात्र छात्राएं, नगर रक्षा समिति तथा आमजन सम्मिलित रहे। संवाद के दौरान थाना प्रभारी एवं स्टॉफ द्वारा नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। नशे के खिलाफ अभियान में सहभागिता देने तथा नशे से अपने परिवार रिश्तेदारों को जागरूक करने हेतु आमजनों को समझाइए दी गई, नारे लगाए गए, साथ ही नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई। डीसीपी जोन 4 सभी थानों में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया उनकी टीम के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है।

बुधनी रेंजर चार्ज लेते ही राजित द्विवेदी ने की कार्रवाई, सागौन की लकड़ी और बाइक जब्त

दैनिक खबरों की रोशनी पत्रकार चंपालाल केवट सीहोर/बुधनी। बुधनी। नए वन परिक्षेत्र अधिकारी राजित द्विवेदी के चार्ज लेते ही अवैध लकड़ी कारोबारियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। दो दिन पहले पांण्डोह के जंगल में दबिश देकर वन विभाग ने 9 सागौन की सिल्लियां और एक मोटरसाइकिल जब्त की। जब्त सामग्री की कीमत करीब 37,000 आंकी गई है। कार्रवाई का नेतृत्व ललित यादव ने किया। लकड़ी और बाइक को वांसापुर वन चौकी में जमा कराया गया है। हालांकि, रात का फायदा उठाकर आरोपी फरार हो गए। रेंजर द्विवेदी ने जंगल में सक्रिय तस्करों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कई फर्नीचर व्यापारी वैध लाइसेंस की आड़ में अवैध सागौन का कारोबार कर रहे हैं, जिन पर अब विभाग की कड़ी नजर है।

जिला कलेक्टर को पूर्व में भी दिया जा चुका है आवेदन

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 - 25 के परिणाम जारी नर्मदापुरम शहर 3 स्टार घोषित

नेशनल रैंकिंग में 26 वे और स्टेट लेवल पर 24वीं रैंकिंग प्राप्त हुई

नर्मदापुरम। नगर पालिका परिषद ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार सफलता हासिल की है। यह हमारे शहर के प्रत्येक नागरिक, स्वच्छता कर्मियों और समस्त टीम के अथक प्रयासों का परिणाम है। 3 स्टार प्राप्त होने पर नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा नागरिकों और नपा के अधिकारी कर्मचारियों को बधाई दी गई। नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम संभाग की पहली 3 स्टार नगर पालिका भारत सरकार द्वारा घोषित की गई साथ में ओडीएफ++ सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया है। 50 हजार से 3 लाख जनसंख्या वाला है शहर भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024- 25 में निकाय को 50000 - 3 लाख जनसंख्या वाले निकायों में 26 नेशनल रैंकिंग एवं मध्य प्रदेश राज्य स्तर पर 24 रैंकिंग प्राप्त हुई।

इनका कहना है

स्वच्छता में एक नई मिसाल

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में, नर्मदापुरम् ने 50,000 से 3 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर 26वीं रैंक प्राप्त की है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इसके साथ ही, हमें गार्बेज फ्री सिटी में 3 स्टार रेटिंग और खुले में शौच मुक्त का दर्जा भी मिला है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि हमारा शहर स्वच्छता के उच्चतम मानकों को पूरा कर रहा है और एक स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी जनप्रतिनिगिधिगणों के मार्गदर्शन में हम आगे भी कार्य करते रहेंगे।

हेमेश्वरी पटले

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नर्मदापुरम

इनका कहना है स्वच्छता प्रति जागरूकता का प्रतीक यह उपलब्धि केवल एक रैंक नहीं, बल्कि हमारे शहर के हर नागरिक की स्वच्छता के प्रति जागरूकता और समर्पण का प्रतीक है।

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने की जनसुनवाई

क्षतिग्रस्त भवन तुड़वाने और सड़क निर्माण हेतु आए आवेदन

नर्मदापुरम। नागरिकों की समस्या का त्वरित निराकरण करने हेतु नगरपालिका में जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। जागरूक नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान कराने के लिए जनसुनवाई में पहुंचने लगे हैं। गुरूवार को हुई जनसुनवाई में करीब 18 आवेदन आए जिनका समाधान किया गया। जनसुनवाई के दौरान पार्षदगण उपस्थित रहे। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर शुरू हुई जनसुनवाई नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। प्रमुख समस्याओं में कोठी बाजार निवासी रितु यदुवंशी द्वारा भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल की योजना के तहत सहायता राशि देने की मांग की गई। आवेदन की जांच कर योजना लाभ दिलाने हेतु निर्देश दिए गए। इसी तरह ग्वालटोली निवासी सुशीला यादव द्वारा आवेदन दिया गया कि उनका मकान क्षतिग्रस्त हो गया है उसे तोड़ दिया जाए। इसी तरह कालिका नगर निवासी महिलाओं ने सड़क बनाने हेतु आवेदन दिया।

जर्जर मकान गिराने मे नगर परिषद बेबस, कभी भी हो सकता है बडा हादसा

खिरकिया। मकान की हालत ऐसी कि पास से निकलने में भी लगता है भय बरसात का दौर जारी है। आए दिन कही कही मकान दीवार छज्जा गिरने की घटनाएं हो रही है। शहर के वार्ड क्र 4 गौमूख रोड खिरकिया में जर्जर मकान है मकान के आइड साइड परिवार अपनी जान जोखिम में डाल कर रहे है रूक रूक कर हो रही बारिश से इस मकान में बडे हादसे का खतरा बना हुआ है लेकिन नगर परिषद ऐसे जर्जर मकान को गिराने अथवा कार्यवाही करने में बेबस नजर आ रहा है इसकी प्रमुख वजह यह है कि उक्त मकान का प्रकरण या तो कोर्ट में विचाराधीन है। जर्जर मकान को क्षतिग्रस्त कराने मकान मालिक पुष्पा बाई पुत्री बाबूलाल राठौर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेन्द्र शर्मा के समक्ष आवेदन देकर उक्त मकान को तोडने की मांग की जिससे की किसी प्रकार का कोई हादसा न हो। आवेदन में पुष्पा बाई ने बताया की मेरा रहवासी मकान उक्त जगह पर स्थित है जो लगभग 21 वाई 42 अर्थात 882 वर्गफिट में बना हुआ है उक्त मकान लगभग 50-60 वर्ष पुराना बना हुआ है जो वर्तमान में बहुत ही जर्जर स्थिति मे है पूर्व में मेरे द्वारा उच्च अधिकारी को शिकायत भी की गई है लेकिन अभी उक्त जर्जर मकान को तुडवाया नही गया है उक्त मकान अत्यधिक जीर्णशीर्ण अवस्था मै है। जिला कलेक्टर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी को कई बार आवेदन दिये गये लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नही हुई है। उन्होने बताया कि उक्त मकान जीर्णशीर्ण अवस्था मै है बारिश के मौसम में कभी भी गिर सकता तथा जन धन की हानि हो सकती है किंतू उक्त मकान को तुडवाने की कार्यवाही अभी तक नही की गई है उक्त मकान को नही तोडा गया तो निश्चित ही कोई बडी दुर्घटना होने की संभावना है।

इनका कहना

आवेदन प्राप्त हुआ है मेरे द्वारा लोक निर्माण विभाग को प्रेषित किया जा चुका है जल्द ही तोडने की कार्यवाही की जावेगी।

महेन्द्र शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी खिरकिया

लटेरी के जंगल में मिली 2 लाशें एक लाश की तो सिर्फ हड्डियां ही मिल सकी

दो शव मिलने से क्षेत्र में फैली दहशत

लटेरी विदिशा दैनिक अखबार खबरों की रोशनी ब्यूरो रिपोर्ट नसीम खान हिंदुस्तानी। विदिशा जिले के लटेरी से बड़ी सनसनी खेज खबर आ रही है कि लटेरी के मदागन और फटी दांत इलाके से दो अलग-अलग पुरुषो की लाश मिली हैं,, जिसमें एक शब की पहचान मकसूदनगढ़ निवासी संजू लोधी पुत्र ओंकार सिंह लोधी 20 वर्ष के रूप में हुई है तो वहीं दूसरे शव की पहचान उसके कपड़े और सामान के जरिए छीतर सिंह अहिरवार निवासी लटेरी के रूप में हुई है जो लगभग 60-65 वर्ष के थे लटेरी पुलिस ने अचानक लाशें मिलने के मामले की खबर लगते ही तुरंत एफएसएल,, एक्स पर्ट ,,फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और फोरेंसिक के एक्सपर्ट को बुलाकर गंभीरता से जांच शुरू कर दी हैयहां आपको बता दें की मकसूदनगढ निवासी संजू लोधी के शव की हालत और मौका ए वारदात को देखकर पुलिस ने एक मामले में हत्या का तो दूसरे मामले में सभी एंगलों से जांच शुरू की है,

इनका कहना है

हमें लटेरी के जंगल में दो जगह पर दो शब मिले हैं,, दोनों ही क्षत विक्षत स्थिति में मिले हैं,, एक मकसूदनगढ़ निवासी संजू लोधी पुत्र ओंकार सिंह लोधी का है,, जो लगभग चार-दिन पुराना है,, मौका वारदात देखने के बाद लगता है कि संभवत उसकी हत्या की गई है फोरेंसिक में हमारे द्वारा जांच के सैंपल भेजे गए हैं तो वहीं दूसरे शब् की पहचान लटेरी निवासी श्री छीतर सिंह अहिरवार के रूप में हुई है जो लगभग 60-65 वर्ष के थे,,और इनके मामले में भी सभी एंगलों से जांच की जा रही है बहुत जल्द हम मामले का खुलासा करेंगे।

अमरेश बोहरे,एसडीओपी लटेरी

शहर की सड़कों की जर्जर स्थिति को लेकर श्री समर्पण श्री संस्था ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

नर्मदापुरम। नगर की सड़कों की स्थिति अत्यंत ही खराब हो चुकी है। अधिकांश मार्गों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे आमजन को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से स्कूली बच्चे, वृद्धजन, तथा दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सड़कों का निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन ढंग से किया जा रहा है। अक्सर देखा गया है कि नई बनी सड़कों की स्थिति कुछ ही महीनों में खराब हो जाती है। इसके पीछे निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की लापरवाही एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। बिना गुणवत्ता परीक्षण के ठेकेदारों को भुगतान किया जाना एक गंभीर मामला है। नगर की जनता इस स्थिति से अत्यधिक पीड़ित है। श्री समर्पण श्री संस्था ने ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया कि स्वयं सड़कों की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। हमारी संस्था यह अपेक्षा करती है कि एक सप्ताह के भीतर सड़कों के सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएँ। अन्यथा, संस्था जनहित में उक्त सड़कों पर शांतिपूर्ण आंदोलन हेतु बाध्य होगी।आपसे शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही की अपेक्षा है। इस दौरान संस्था के स्वदेश सैनी,गोलू राजपूत,राज खिल्लारे,युवराज यादव,दिव्यांश राजोरिया,शिवांशु लोवंशी,रजत रामरिया,अनिल राजपूत, वीरु पटवा,रहमान खान,मोहित यादव,राहुल राव,अजय यादव,रजत कृष्ण राजपूत,अभी यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बुधनी के प्राकृतिक वॉटरफॉल्स स्वर्ग से कम नहीं, लेकिन रोड, सुरक्षा के इंतजाम नहीं

विकास की मांग, वॉटरफॉल को पचमढ़ी जैसा बनाया जाए - कंचन शर्मा

दैनिक खबरों की रोशनी पत्रकार चंपालाल केवट सीहोर/बुधनी। बुधनी विधानसभा क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। यहां के घने जंगलों और ऊँचे-नीचे पहाड़ियों के बीच बसे अमरगढ़ वॉटरफॉल, दिगंबर वॉटरफॉल, सतकुंडा, और मिडघाट के झरने बरसात के मौसम में किसी स्वर्गिक नज़ारे से कम नहींह्व लगते। इन झरनों की सुंदरता को देखने के लिए ना सिर्फ स्थानीय लोग, बल्कि भोपाल, इटारसी, नागपुर, और अन्य राज्यों से भी लोग यहां पहुंचते हैं, कभी पिकनिक मनाने, तो कभी नेचर ट्रेल्स और फोटोग्राफी के लिए। लेकिन इन स्थलों की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि प्राकृतिक सौंदर्य तो है, पर सुविधाएं और सुरक्षा नहीं। इन वॉटरफॉल्स तक पहुंचने के लिए पक्के रास्ते नहीं हैं, ना ही वहां कोई सुरक्षा इंतजाम या रेस्क्यू सुविधा है। वन विभाग ने कुछ स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाकर इन स्थलों पर जाने से मना किया है, लेकिन सोशल मीडिया पर इन जगहों की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के कारण लोग इन्हें छुपकर पार कर ही लेते हैं।

सबसे अधिक चर्चित वॉटरफॉल

अमरगढ़ वॉटरफॉल, ऊंचाई से गिरने वाला सबसे लोकप्रिय झरना, जहां कई घटनाएं हो चुकी हैं, तो कई लोगों की मौत भी हो चुकी है, दिगंबर वॉटरफॉल (शाहगंज क्षेत्र) वन क्षेत्र के भीतर स्थित, यहां भी ऊंचाई से पानी झरने के रूप में गिरता है और लोग नहाने के साथ-साथ सेल्फी लेते हैं तो युवक युवतिया रील बनाकर आनंद लेते हैं, सतकुंडा और मिडघाट झरना नागपुर भोपाल रोड से लगे होने के कारण पहुंचने में आसान, पर पानी की अपनी भलाई उठाला है लेकिन चट्टान चिकनी होने के कारण खतरनाक पैर फिसलने के कारण जान को खतरा रहता है,

पूर्व मुख्यमंत्री के क्षेत्र में विकास की कमी

प्रदेश की राजनीति में दो दशक तक शीर्ष पद पर रहे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का यह गृह क्षेत्र है, लेकिन विडंबना यह रही कि उन्होंने कभी इन प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित करने की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए। सलकनपुर देवी धाम के धार्मिक विकास में उन्होंने प्रशंसनीय कार्य किया, लेकिन प्राकृतिक स्थलों को पर्यटक केंद्र बनाने का काम अब तक अधूरा है, शायद उनकी यह बहुत बड़ी भूल या अनदेखी लोगों को हमेशा खलती रहेगी ।

कांग्रेस की मांग पर्यटन, रोजगार और सुरक्षा की दृष्टि से हो विशेष पैकेज

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव श्रीमती कंचन शर्मा ने अभी कुछ दिन पूर्व वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भी लिख चुकी हैं कि उक्त क्षेत्र का विकास हो लोगों को वाटरफॉल तक पहुंचाने की सुविधा सुलभ हो, इस विषय को गंभीरता से उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं स्थानीय विधायक रमाकांत भार्गव का ध्यान इन स्थलों की उपेक्षा की ओर दिलाया है। बुधनी की पूर्व पार्षद एवं प्रदेश महिला कांग्रेस की सचिव कंचन शर्मा ने कहा, बुधनी के ये झरने पचमढ़ी या

किसी अन्य हिल स्टेशन से कम नहीं हैं। सरकार अगर चाहे तो पर्यटन विभाग के माध्यम से या वन विभाग ईको से इन स्थानों के लिए विशेष बजट जारी कर सकती है। वहां तक पक्का रास्ता बनाया जाए, प्रवेश पर टिकट लगे ताकि भीड़ भी नियंत्रित हो और स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिले।

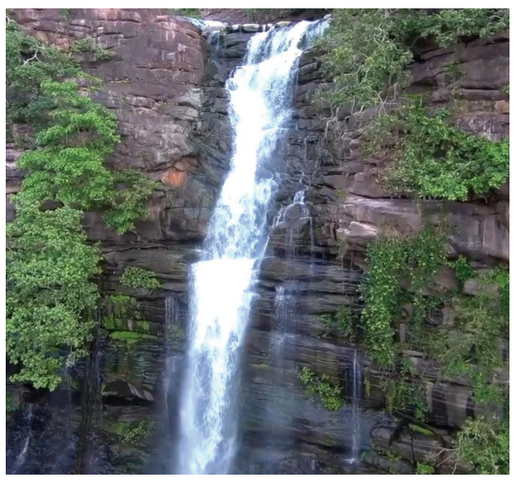

सुरक्षा पर फोकस जरूरी

कई मौकों पर इन झरनों में हादसे हो चुके हैं, जिससे सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। पुलिस और वन विभाग ने कई बार चेतावनी जारी की, लेकिन जनसंख्या बढ़ती गई, रिसोर्स नहीं। बुधनी और शाहगंज पुलिस थानों में स्टाफ की संख्या सीमित है, जिससे हर वॉटरफॉल पर निगरानी असंभव हो जाता है। श्रीमती कंचन शर्मा ने सुझाव दिया है कि इन स्थलों पर स्थायी गार्ड तैनात हों, रेस्क्यू किट और आपातकालीन टेलीफोन सिस्टम लगाया जाए, पर्यटन से जुड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा, वन विभाग, पर्यटन विभाग और पुलिस के बीच समन्वय स्थापित हो। बुधनी के झरनों का सौंदर्य बेमिसाल है, लेकिन आज वे विकास और सुरक्षा के अभाव में पीछे छूट गए हैं। अगर सरकार और जनप्रतिनिधि ध्यान दें, तो यह इलाका सिर्फ धार्मिक पर्यटन ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक पर्यटन में भी प्रदेश का सिरमौर बन सकता है। साथ ही यहां के युवाओं को स्थानीय रोजगार का एक नया अवसर मिलेगा। अब देखते हैं की कांग्रेस नेत्री कंचन शर्मा के द्वारा लिखे गए पत्रों का संबंध विभाग के अधिकारी पर क्या असर पड़ता है और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर्यटन क्षेत्र में क्या सौगात देते हैं।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत सांची पुलिस पहुंची सीएमराइज स्कूल, छात्रों को दिया जागरूकता का संदेश

थाना प्रभारी जे.पी. त्रिपाठी ने कहा नशा सिर्फ शरीर नहीं, पूरा परिवार बर्बाद करता है छात्रों ने लिया नशा मुक्त समाज का संकल्प, बोले गांव और शहर को बनाएंगे नशा मुक्त

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट सांची। नशे से दूरी है जरूरी — इस संदेश को लेकर सांची पुलिस लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में बुधवार को सांची थाना प्रभारी श्री जे.पी. त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम सीएमराइज स्कूल पहुंची। वहां स्कूली छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और उनसे नशा मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। इस अवसर पर श्री त्रिपाठी ने कहा कि नशे की लत किसी भी गंभीर बीमारी से ज्यादा खतरनाक होती है। यह न केवल व्यक्ति को, बल्कि पूरे परिवार को बर्बादी की ओर धकेल देती है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि हम स्वयं और अपने परिवार को नशे से दूर रखें, तभी हम उन्नत और सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं।

थाना प्रभारी ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा

नशा हमारे मान-सम्मान, स्वास्थ्य, और भविष्य को नष्ट करता है। हमें सिर्फ खुद ही नहीं, अपने मोहल्ले, गांव और शहर को भी इससे मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं और यदि वे इस मुहिम में भागीदार बनते हैं, तो एक बड़ा बदलाव संभव है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने घर-परिवार, पड़ोस, स्कूल और समाज को नशे से बचाने के लिए सजग रहें और जागरूकता फैलाएं। कार्यक्रम में सभी छात्रों ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे जीवन भर किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इससे बचने के लिए प्रेरित करेंगे। अंत में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाना तभी संभव है, जब हम सभी मिलकर इस मुहिम को आगे बढ़ाएं। स्कूल प्रशासन ने इस पहल की सराहना की और ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों की निरंतरता की मांग की। अभियान की अवधि 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक आयोजकः सांची पुलिस थाना विषय नशे से दूरी है जरूरी जीवन के लिए जरूरी।

सामाजिक संगठनों सहित क्षेत्र वासियों ने की ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग

शुजालपुर से मोहम्मद नफीस शुजालपुर। यूँ तो शुजालपुर स्टेशन इंदौर, उज्जैन और भोपाल के बीच सेंटर में आता है और यहाँ व्यापारी वर्ग, मजदूर वर्ग, अप-डाउन करने वाले शासकीय एवं प्राइवेट कर्मचारियों की ट्रेन से आवक-जावक लगी रहती है इंदौर और भोपाल जाने के अलावा लंबी दूरियों के लिए भी शुजालपुर से काफी यात्रियों की भीड़ स्टेशन पर होती है, जम्मू, नई दिल्ली, नागपुर, हावड़ा, पूरी, जयपुर, सोमनाथ, बड़ोदरा, त्रिवेंद्रमपुरम तक यात्री शुजालपुर से सीधी यात्रा करते हैं। परंतु उतर प्रदेश जाने वाली यात्री गाड़ियां जो शुजालपुर से होकर गुजरती है, उनका शुजालपुर में स्टॉप नहीं है, अगर इन ट्रेनों जैसे ट्रैन नंबर 14115-14116 डॉ अम्बेडकर नगर- प्रयागराज जो कि उज्जैन से 1:35 बजे चलती है और 3:35 पर संत हिरदाराम नगर पहुँचती है, और वहाँ तकरीबन 1 घंटे के आसपास खड़ी रहती है। अगर इस ट्रेन का शुजालपुर में 2 मिनट का स्टॉप हो जाये तो शुजालपुर वासियों को प्रयागराज (उत्तरप्रदेश) जाने के लिए सीधी ट्रैन की सुविधा मिल सकती है। एक और ट्रेन काशी महाँकाल एक्सप्रेस ट्रेन नंबर (20414-20415) जो कि उज्जैन से 11:25 पर चलती है और संत हिरदाराम नगर 1:40 पर पहुँचती है, और वहीं लगभग आधा घंटा खड़ी रहती है और ऐसे ही गोरखपुर एक्सप्रेस भी शुजालपुर होकर गुजरती है। ये ट्रेनें शुजालपुर में नहीं रुकती है। जबकि बेवजह लगभग घंटे-आधा घंटे तक संत हिरदाराम नगर में खड़ी रहती है। अगर 2 मिनट के लिए शुजालपुर रुकने लगे तो शुजालपुर से रेलवे को अच्छा राजस्व मिल सकता है। इन ट्रेनों का स्टॉपेज शुजालपुर में हो जाता है तो शुजालपुर वासी उत्तरप्रदेश की सीधी यात्रा शुजालपुर से कर सकेंगे। सामाजिक संगठनों द्वारा इन ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की जा रही है। एक फरूट व्यापारी नदीम कुरैशी ने बताया कि माल खरीदने अक्सर आगरा और उत्तरप्रदेश के कई शहरों में जाना होता है, परंतु शुजालपुर से दूसरी ट्रेनों से बैरागढ़ या भोपाल तक जाना पड़ता है, वहाँ से ट्रेन बदलना पड़ती हैं। अगर शुजालपुर स्टॉप हो जाये तो कई व्यापारियों को भी इसका लाभ मिल सकेगा। सामाजिक कार्यकर्ता हसन रज़ा कुरैशी एवं अन्य सामाजिक

कार्यकर्ताओं ने भी मांग करते हुए कहा कि शुजालपुर से धार्मिक लोग एवं दार्शनिक लोग भी ज्यादातर उत्तरप्रदेश की यात्रा पर जाते हैं, जैसे आगरा का ताजमहल हो या मथुरा के दार्शनिक स्थल हो या अन्य तीर्थ स्थान जहाँ हिंदू तीर्थ यात्रियों या मुस्लिम धर्मावलंबियों को सीधी ट्रेन नहीं मिलती है। उनको ट्रेनें बदलकर यात्रा करना पड़ती है। शुजालपुर में स्टॉप होने से सभी वर्गों को लाभ होगा और रेल्वे का राजस्व भी बढ़ेगा। क्योंकि शुजालपुर एक ऐसा क्षेत्र है जिनसे कई ग्राम, तहसील एवं नगर जुड़े हैं, और आसपास के क्षेत्र के लोग शुजालपुर आकर ट्रैन रूट पकड़ते हैं। सांसद महोदय महेंद्र सिंह सोलंकी से समस्त राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के अलावा शुजालपुर वासी ये मांग करते आ रहे हैं। हम भी समाचार पत्रों एवं न्यूज़ चैनलों के माध्यम से इस मांग का समर्थन करते हुए क्षेत्रवासियों की आवाज़ को सांसद श्री सोलंकी तक पहुंचाने की कोशिश के साथ-साथ मांग भी करते हैं, जिससे क्षेत्रवासियों को लाभ मिल सके।

काले हिरण शिकार कांड में नया मोड़ 6वां आरोपी भी गिरफ्त में, भेजा गया जेल

सागौन वनोपज भी मिली आरोपी के घर से, दो अब भी फरार

रायसेन से कलीम खान की रिपोर्ट रायसेन/सिलवानी। सिलवानी में चर्चित काले हिरण शिकार कांड में अब तक कुल 6 आरोपी सामने आ चुके हैं। ताजा कार्रवाई में वन विभाग ने बुधवार को एक और आरोपी अनुराज सिंह दांगी को सागर के सहजपुरी बुजुर्ग गांव से गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर से सागौन वनोपज भी बरामद हुई है। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

इससे पहले सिलवानी के फैसल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, जिसे बाद में जमानत मिल चुकी है।

जानिए अब तक की पूरी कहानी...

15 अप्रैल 2025 को सिलवानी पश्चिम परिक्षेत्र में संदिग्ध मांस जप्त किया गया था। मांस के सैंपल जबलपुर स्थित नानाजी देशमुख पशु चिकित्सालय भेजे गए, जहां जांच में पुष्टि हुई कि वह मांस काले हिरण का था। 16 मई 2025 को इस मामले में अपराध क्रमांक 41200/14 दर्ज हुआ। 24 मई 2025 को फैसल पुत्र खालिक को गिरफ्तार किया गया।

सोशल मीडिया और मोबाइल ट्रैकिंग से जुड़े सुरागों के आधार पर अब अनुराज सिंह दांगी को दबोचा गया है। आरोपी के घर से सागौन लकड़ी भी मिली है, जिस पर अलग से प्रकरण दर्ज किया गया है।

काले हिरण का आरोपी

अब तक कुल 6 आरोपी सामने आए

आरोपी का नाम स्थिति
फैसल (सिलवानी) गिरफ़्तार, जमानत पर
अनुराज सिंह (सागर) गिरफ़्तार, जेल भेजा गया
मोहम्मद फैज (सिलवानी) अ ि ग॰ म जमानत
मोहम्मद साद (सिलवानी) अ ि ग॰ म जमानत
नोमान (सिलवानी)फरार
साहिद (सिलवानी)फरार

जांच टीम का अहम योगदान

इस पूरे मामले की जांच में उप वनमंडलाधिकारी इंदर सिंह बारे, परिक्षेत्र अधिकारी आदर्श मिश्रा, दक्षिण सागर के अधिकारी रवि सिंह भदौरिया और बीटगार्ड भूपेश सिंह चौधरी की प्रमुख भूमिका रही।

अब भी दो आरोपी फरार

प्रकरण में नोमान और साहिद अब तक फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। वहीं प्रकरण की जांच अब भी जारी है और आने वाले दिनों में और खुलासे हो सकते हैं।

वन विभाग सतर्क, आगे और गिरफ्तारी संभव

वन विभाग की मानें तो यह मामला अब भी खुला है और शिकार से जुड़े नेटवर्क पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

नगर परिषद के कर्मचारियों ने गरीब का आशियाना उजाडा

गरीब परिवार लगाता रहा गुहार बारिश का महीना खत्म होते ही हटा लेंगे टापरी

दैनिक खबरों की रोशनी पत्रकार चंपालाल केवट सीहोर/भेरूंदा। सीहोर जिले की भेरूंदा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नीलकंठ में नल जल योजना के तहत वाटर प्लांट बनाने हेतु नगर परिषद भेरूंदा के द्वारा पिछले 20 वर्षों से रह रहा केवट परिवार लखन पिता जारी लाल केवट जो की मछुआरे परिवार से आते हैं जिनका व्यवसाय मछली मारकर अपना जीवन यापन करना है एक गरीब परिवार काश भुस की टपरी बनाकर वहां पर कई वर्षों से निवासरत है केवट परिवार का आरोप है कि हमें बिना बताएं बिना कोई नोटिस दिए नगर परिषद कर्मचारी के द्वारा मेरी कास भुस की से बनी टपरी तोड़ दी गई एवं मेरा परिवार रोड पर रहने को मजबूर प्रशासन से गुहार मुझे जमीन के बदले जमीन उपलब्ध कराई जाए ताकि मैं अपने बाल बच्चों के लिए दूसरी टपरी बनाकर निवास कर सकूं।

अर्चना चिटनिस ने किया निरीक्षण,नेहरू स्टेडियम में 3.28 करोड़ से होंगे निर्माण कार्य बुधवारा मार्ग का शीघ्र होगा निर्माण

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने नेहरू स्टेडियम ग्राउंड पर प्रस्तावित निर्माण कार्यों और बुधवारा रोड पर निर्माणाधीन नाला एवं सड़क निर्माण कार्यां का निरीक्षण किया। इस दौरान श्रीमती चिटनिस ने खेल प्रेमियों सहित क्षेत्रवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खिलाड़ियों से किया संवाद

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने स्टेडियम ग्राउंड पर पेयजल सुविधा की व्यवस्था के लिए नगर निगमायुक्त संदीप श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि पुरानी पानी की टंकी अनुपयोगी हो गई है उसके स्थान पर नई पानी की टंकी का निर्माण करें। साथ ही स्टेडियम ग्राउंड की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के लिए उपस्थित खिलाड़ियों से सुझाव लिए। साथ ही ग्राउंड पर व्यवस्थाओं का कोई भी दुरूपयोग न करे,यह भी सुनिश्चित किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया,जिसका त्वरित श्रीमती चिटनिस ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण करने हेतु निर्देश दिए।

नेहरू स्टेडियम में 3.28 करोड़ से बनेगा नया पवेलियन सह दुकानें

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के द्वितीय चरण में स्वीकृत कराए गए नेहरू स्टेडियम के विकास कार्य, पवेलियन सह दुकानों के निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए कहा कि शीघ्र ही नेहरू स्टेडियम को नया स्वरूप दिया जाएगा। यहां 3 करोड़ 28 लाख 85 हजार रूपए की लागत से नया पवेलियन सह दुकानें और अन्य निर्माण कार्य कराना प्रस्तावित किया गया है। इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिए है। 250 सीटर पवेलियन का निर्माण और 21 दुकानों का निर्माण किया जाएगा।जिसमें 12 ग्राउंड फ्लोर और 9 दुकानें प्रथम फ्लोर पर बनेगी। इसी प्रकार 2 कक्ष गेस्ट हाउस और 2 ग्रीन रूम बनाए जाएंगे। यहां खिलाड़ियों के लिए पेयजल एवं शौचालय का निर्माण भी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए दूसरी सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएगी। पवेलियन बनने से लोगों और खेल प्रेमियों की बैठक व्यवस्था बेहतर होगी। बाहरी हिस्से में निगम पार्किंग के साथ दुकानें भी बनाएगा,जिससे निगम की आय भी बढ़ेगी। साथ ही खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं भी जुटाई जा सकेंगी।

श्रीमती चिटनिस ने नगरीय क्षेत्र के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल,पार्षदगण एवं नगर निगम प्रशासन की सराहना की।

बुधवारा मार्ग पर निर्माणाधीन नाला निर्माण का किया निरीक्षण

श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बुधवार मार्ग का भी निरीक्षण कर यहां

निर्माणाधीन नाला निर्माण कार्य एवं प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण कर क्षेत्रवासियों से चर्चा की। श्रीमती चिटनिस ने सड़क निर्माण के पूर्व यहां जो भी शेष कार्य बचे है,उसे पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्रीमती चिटनिस ने स्थानीय जनता एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर सड़कों की गुणवत्ता एवं निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर चर्चा की। सभी ने कार्यों की सराहना करते हुए कुछ सुझाव भी दिए,जिन्हें संबंधित अधिकारियों से रूबरू किया गया। ज्ञात हो कि विभिन्न वार्डों में वर्षा का जल भराव हो जाता था। जिसको दृष्टिगत रखते हुए आपदा प्रबंधन (एसडीएमएफ) मद अंतर्गत बुरहानपुर नगर के नालों के सीमेंटीकृत निर्माण और चैनलाइजेशन कार्य लगभग 12 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। नालों का निर्माण,चैनलाईजेशन एवं पाईप लाईन डालने के साथ इत्यादि निर्माण कार्य किया जा रहा है। अब अतिशीघ्र यहां सड़क का निर्माण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव,इंजीनियर प्रेमकुमार साहू,बलराज नावानी,चिंतामन महाजन,पार्षद श्रीमती निर्मला फुलवाणी,धनराज महाजन,संभाजीराव सगरे,गौरव शुक्ला,गौरव शिवहरे,किशोर कामठे,रूद्रेश्वर एंडोले,चिंटू राठौर,रवि काकड़े,अक्षय मोरे एवं अमित परमेकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद थे।

मंदिर की भूमि पर कब्जा कर सरपंच द्वारा की जा रही है खेती एवं निर्माण कार्य

अमित नायक कटनी से। कटनी जिले में आए दिन शासकीय एवं ट्रस्ट की भूमियों पर कब्जे के मामले नए नहीं हैं, जिस पर जिला प्रशासन बिल्कुल बेपरवाह नजर आ रहा है। ताजा मामला कटनी के निकट ग्राम पंचायत पडुआ स्थित बजरंग मंदिर की कृषि भूमि जो राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर स्थित है एवं जिला मुख्यालय से महज 5 कि. मी. की दूरी पर है, जिसके संरक्षक स्वयं कलेक्टर हैं, ऐसी लगभग 5 से 6 एकड़ भूमि पर बिना अनुमति के सारे नियमों को ताक पर रखकर बिना किसी भय के उपसरपंच तथा ग्राम वासियों के विरोध के बावजूद भी ग्राम पंचायत पडुआ सरपंच पति द्वारा जबरन खेती के साथ खेत में बाउंड्री वॉल बनाकर निर्माण कार्य भी करवाया जा रहा है। गौरतलब है कि कटनी विधायक द्वारा अनुदान में दी गई राशि से ही उक्त मंदिर की भूमि पर रंगमंच बना दिया गया है, जिसके अंदर अब भगवान की मूर्ति रख दी गई है, ग्राम वासियों की माने तो सरपंच पति अपने आपको विधायक का खास आदमी बता रहा है, और मनमानी करने पर उतारू है, जिसकी शिकायत पूर्व में भी की जा चुकी है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। ग्राम वासियों में इस भूमि के विरोध में खासा गुस्सा देखने को मिला है, तथा उनकी मांग है कि मामले को कलेक्टर महोदय स्वयं संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही करें, अन्यथा भोपाल में मुख्यमंत्री आवास के सामने प्रदर्शन एवं आत्मदाह की चेतावनी ग्राम वासियों द्वारा दी गई है।

सी एच ओ,ए एन एम को दिया गया दस्तक अभियान का प्रशिक्षण

रंजीत ठाकुर की रिपोर्ट विदिशा। होटल ग्रांड अशोका में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार के निर्देशन में चल रहे दस्तक अभियान प्रथम चरण सह स्टॉप डायरिया कैंपेन का विकासखंड नटेरन एवं बासौदा सी एच ओ एवं ए एन एम को प्रशिक्षण दियागया ।जिसमें राज्य स्तर से विदिशा भ्रमण पर आए डॉ दीपक गंम्भीर द्वारा जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों का डिसीजन सपोर्ट सिस्टम ऐप से कैसे जा जांच कर उपचार एवं गंभीरता के लक्षण पाए जाने पर रेफर किया जाता है समझाया। माता से बच्चे की बीमारी के लक्षण पूछकर ऐप में दर्ज करने पर ऐप बच्चे के उपचार हेतु दबाओं के नाम एवं उनका उम्र अनुसार डोज बताता है जिससे ए एन एम, सी एच ओ को बच्चे के उपचार में आसानी होती हैं। एवं लक्षण गंभीर होने पर रेफर हेतु सुझाव देता है ।प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर जिला चिकित्सालय के शिशुरोग विशेषज्ञडॉ प्रमोद मिश्रा द्वारा निमोनिया के पहचान, लक्षण,कारक,बचाओ उपचार ,प्रबंधन , डॉ डी के शर्मा द्वारा दस्तक अभियान सह स्टॉप डायरिया का परिचय एवं महत्व,बी , एस दांगी द्वारा डायरिया के लक्षण,कारक ,बचाओ,उपचार प्रबंधन, जिंक ओ आर एस का बनाने की विधि, डोज,अदानी फाउंडेशन की श्रीमती अभिलाषा मैडम द्वारा उम्र अनुसार पोषक तत्वों से भरपूर पोषण आहार बनाने की विधि मात्रा एवं दिन में कितनी बार देना है ।डॉ राकेश पंथी द्वारा एच बी एन सी, एच बी बाय सी,श्री नीरज कुमार शर्मा द्वारा कुपोषित बच्चों की कैसे पहचान की जाती है उनका उचित उपचार,प्रबंधन के बारे में जानकारी दी राज्य स्तरीय निर्देशों के पालन में बाल्य मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य से विदिशा जिले में दस्तक अभियान प्रथम चरण सह स्टॉप डायरिया कैंपेन कार्यक्रम दिनांक 22 अगस्त 25 से 16 सितंबर 2025 तक स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से संचालित किया जाएगा ।अभियान के सफल संचालन हेतु जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राम हित कुमार के निर्देशन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डी के शर्मा के समन्वय से जिले के समस्त ए एन एम एवं सी एच ओ को विदिशा के होटल ग्रांड अशोका में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रामहित कुमार द्वारा सभी को निर्देशित किया गया कि सभी अपने अपने क्षेत्र में जाकर आशा सुपरवाइजर,आशा कार्यकर्ता, एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए प्रशिक्षित करें।

रोड और पुलिया ना होने से ग्रामीण एवं स्कूली बच्चों को आवा गमन में हो रही दिक्कत

ग्राम पंचायत अतरिया के ग्रामीण एवं स्कूली बच्चे हो रहे हैं बाढ़ के पानी से परेशान

हर्रई बटकाखापा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी की रिपोर्ट। बटकाखापा ब्लॉक हर्रई के आदिवासी बहुमूल्य क्षेत्र ग्राम पंचायत अतरिया के ग्रामों में स्कूली बच्चों को बरसात के समय स्कूल आने जाने में काफी परेशान होना पड रहा है तो वही ग्रामीणों को भी बाढ़ के पानी से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं सरकार की योजनाओं के तहत मुख्यमंत्री सड़क दुरुस्त योजना एवं ग्राम सड़क विकास योजना के तहत सड़के एवं पुलियों का निर्माण किया जा रहा है पर वही ब्लॉक हर्रई के कुछ ऐसे भी ग्राम है जो बच्चों की पढ़ाई को लेकर काफी प्रभावित है ऐसे क्षेत्रों में नन्हे बच्चों के लिए स्कूल तो है पर उन्हे आने जाने के लिए ना तो रोड है और ना ही रोड में पुल का निर्माण किया गया है वहीं ग्रामीणो को भी इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है सबसे ज्यादा समस्या शिक्षा और पढ़ाई को लेकर हैं दूर दराज से आने वाले बच्चों को बरसात के समय काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं बरसात में बीमारी से पिडित एवं गर्भवती महिलाओं को लेकर और भी बड़ी समस्याएं सामने आई है ग्राम पंचायत अतरिया के तहत, भरदीकोल टोला, चटनी, अतरिया, निर्भयपूर, भैंसखोह, कामठी, रोजनी, के बच्चे बारिश में तेज बाढ़ के कारण नाला पार नहीं कर पाते हैं तो वही बीमारी से पिडित व गर्भवती महिलाओं को कंधे पर रखकर नदी पार करना पडता है

अतरिया ग्राम पंचायत सरपंच ने बताया कि

..अतरिया पंचायत की निम्न ग्रामों से आने वाले बच्चों की पढ़ाई मे काफी दिक्कतें आ रही है नदियों में पुल ना होने के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और बीमारी से पिडित व गर्भवती महिलाओं को भी दिक्कतें होती है ग्राम के लोगों ने इन समस्याओं की शिकायत शासकीय अधिकारियों को भी की है तो वही पंचायत के सरपंच ने भी पंचायत के माध्यम से रोड एवं पुलिया के निर्माण की बात विधान सभा अमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह से भी रखी है जिसका निराकरण आभी तक नहीं हुआ है।

कलेक्टर डॉ बेडेकर के निर्देशन पर पेट्रोल पंप की जॉच की गई - संयुक्त कलेक्टर सुश्री भंवर

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी अलीराजपुर।अनुविभागीय अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रियांशी भंवर ने बताया कि कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर के निर्देशन पर चंद्रशेखर आजाद नगर अनुभाग के सभी 4 पेट्रोल पंप मनन पेट्रोल पंप, आज़ाद पेट्रोल पंप, पेट्रोल पंप एवं मारुती पेट्रोल पंप बरझार की जांच की गई । जॉच के दौरान माप तोल, फूड एवं राजस्व के अधिकारी एवं कर्मचारी सयुंक्त रूप से उपस्थित थे । जॉच के दौरान भूमिगत टैंक में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई , किन्तु पेट्रोल डीजल के स्टॉक पंजी में स्टॉक इंद्राज नहीं किया गया , न ही ग्राहकों की सुविधा के लिए हवा मशीन , शौचालय ,पेयजल आदि व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन नहीं करने पर संबंधित डीलरों को चेतावनी दी गई । कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट कलेक्टर महोदय को पृथक से प्रस्तुत की जाएगी 7 इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री जीपी अग्रवाल , तहसीलदार श्री जितेन्द्र सिंह तोमर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री रामा अवास्या सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

सोरवा में अवैध रूप से दुकान का संचालन करने पर दुकान सील की गई - एसडीएम तपिस पांडे

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी प्रतिनिधि अलीराजपुर। अवैध रूप से खाद बीज विक्रय पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर द्वारा पूर्व में निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन में आज अलीराजपुर एवं ग्राम सोरवा में खाद बीज दुकानों की जॉच अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री तपीस पांडे द्वारा की गई । एसडीएम तपिस पांडे ने बताया कि अलीराजपुर में स्थित राठौड़ कृषि बीज एवं दवा विक्रेता का औचक निरीक्षण किया गया जहां पर भारी मात्रा में एक्सपायरी डेट के बीज एवं दवाइयों का भंडार कर जिले के कृषकों को विक्रय किया जा रहा था , एक्सपायरी दवाइयां एवं बीज को जब्त कर उक्त दुकान संचालक के खिलाफ प्रकरण तैयार कर कार्यवाही की गई । इसी तरह से ग्राम सोरवा में शारदा एवं गुरु कृपा बीज एवं दवा विक्रेताओं का भी औचक निरीक्षण किया इस दौरान गुरुकुपा के संचालक के पास से बीज एवं दवा के विक्रय का कोई मूल दस्तावेज प्राप्त नही होने से उक्त दुकान को सील कर संबंधित के खिलाफ प्रकरण तैयार किया गया । सोरवा की ही शारदा बीज दुकान के निरीक्षण के दौरान एक्सपायरी बीज एवं दवाइयों पाई गई । उक्त दुकान संचालक के खिलाफ प्रकरण तैयार की आगामी कार्यवाही हेतु जिला कलेक्टर को प्रेषित किए गए। इस दौरान उप संचालक कृषि एवं संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

रोटरी रॉयल ने किया 78 युनिट रक्तदान

हाइजीन को लेकर कॉलेज में किया जागरूकता कार्यक्रम

खबरों की रौशनी जिला ब्यूरो बालाघाट बालाघाट। रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल ने गत दिवस, जिले के अग्रणी महाविद्यालय पीएमश्री जेएसटी पीजी कॉलेज में रक्तदान शिविर एवं महिला हाइजीन अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रक्तदान कार्यक्रम में रॉयल ग्रुप के सदस्यों ने 78 यूनिट का रक्तदान कर जिला अस्पताल को पीड़ित मानवता के सेवार्थ भेंट किया। साथ ही 53 लोगों की रक्त जांच भी की गई। क्लब ने,रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। क्लब के अध्यक्ष रोटे. संदीप असाटी, सचिव आशीष साहु और कोषाध्यक्ष राजेश गांधी की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित रक्तदान शिविर के चेयरमैन विक्रम भूते ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, रक्तदान एक महादान है और इससे किसी अनजान व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। हमारे क्लब का यह निरंतर प्रयास है कि समाज में रक्त की कमी न रहे और जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो। को-चेयरमेन अंकित अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान एक मानवीय कर्तव्य है। इसके माध्यम से हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी में इसको लेकर जागरूकता लाना बहुत जरूरी है, ऐसे कैंप, इस दिशा में एक मजबूत कदम हैं। को-चेयरमैन गौरव कोचर ने कहा, लोगों में अभी भी रक्तदान को लेकर कई भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। रक्तदान से न सिर्फ किसी की जान बचती है बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। क्लब के अन्य को-चेयरमैन सौरभ हरिनखेडे, लखविंदर सिंह भंगल ने भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। हाइजीन अवेयरनेस कार्यक्रम डॉ. नेहा मेश्राम, मुन्नालाल शर्मा, भुवेश्वरी गेड़ाम, प्रोजेक्ट समन्वयक जगदीश ताम्रकार तथा रोशनी टेंभरे ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता तथा निजी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। जिसमें लगभग 80 छात्राओं ने हिस्सा लिया। क्लब की ओर से, सभी छात्राओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर और सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप विशेष रूप से उपस्थित रहे। रक्तदान कार्यक्रम में ब्लड बैंक एवं ब्लड टेस्टिंग टीम सदस्य हेमंत पाटिल, कमिनी पांडे, विनोद भगत, सुरेश वासनिक, विक्की पवार एवं रूपक पवार सहित इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष पुरुषोत्तम चावला, कमलजीत सिंह छाबड़ा, बलजीत सिंह छाबड़ा सहित सदस्य रवि सचदेव, मुकुल राठौर, राजेन्द्र सिंह छाबड़ा, नरेन्दर सिंह छाबड़ा, धनेंद्र राहंगडाले, संतोष नाहर, केशव परिहार, राहुल तुरकर, हरजीत पाल सिंह राजपूत, बलविंदर पाल सिंह राजपूत, संजय बेदी, प्रकाश गुरनानी सहित अन्य उपस्थित रहे।

सुपर स्वच्छ लीग में पहुंचा इंदौर बना देश में स्वच्छता का महागुरु

हर्रई दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी की रिपोर्ट। हर्रई इंदौर के स्वच्छता में महागुरु बनने में हर्रई के विजय लांझीवार का महत्वपूर्ण योगदान छिंदवाड़ा जिले के पूआमा डिपो में जन्मे और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हर्रई जागीर में पले बड़े और स्नातक की डिग्री हर्रई के महाविद्यालय से पूरी की विजय लांझीवार का डंका आज पूरे देश मे बज रहा है। सन 2019 से ही इंदौर में स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत इंदौर में प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में कार्य करते हुए शहर को देश के सुपर स्वच्छ लीग में पहुंच कर इंदौर को देश में स्वच्छता का महागुरु बनाने के कार्य में विशेष योगदान रहा एवं इंदौर शहर को रैंकिंग से भी ऊपर का दर्जा दिलाने के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री से लेकर देश के राष्ट्रपति से भी अवार्ड लेने में कामयाब रहे बता दे की विजय कुमार लांजीवर मध्यप्रदेश बिहार सहित देश के कई राज्यों को खुले में सोच से मुक्त कराने में समुदाय के व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों का नेतृत्व कर चुके हैं बिहार के भोजपुर बक्सर रोहतास जिले को ओडीएफ कराने में इनका अतुलनीय योगदान रहा है विजय कुमार मूल रूप से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के सबसे ज्यादा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हर्रई के मूल निवासी हैं।

श्रावण मासः नही चाहिए ऐसे कांवड़िए बोल रहे है हरिद्वार के लोग !

जिन कांवड़ियों के मुख्यमंत्री जी ने चरण धोये है,जिनके आगमन को हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई है।वही कांवड़िए जब जरा सी कांवड़ टच हो जाने पर आग बबूला हो जाते है,भक्ति और धैर्य खोकर मासूम व निहत्थे लोगो को पीटने लगते है,व्यवस्था संभाल रही पुलिस के साथ भी दुर्व्यवहार पर उतारू हो जाते है,तो हरिद्वार के लोगो को बोलना ही पड़ता है कि उन्हें ऐसे कांवड़िए नही चाहिए।वास्तव में कांवड़ शिव भक्ति का एक ऐसा मार्ग रहा है,जो सभी के लिए वन्दनीय था,परन्तु कुछ कांवड़ियों की गुंडागर्दी के कारण उनका मन भी खट्टा होने लगा है जो कांवड़ियों के लिए पलक पांवड़े बिछाते रहे है। क्या आप जानते हैं कावड़ यात्रा का इतिहास, सबसे पहले कावड़िया कौन थे। इसे लेकर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग मान्यता है।कुछ विद्वानों का मानना है कि सबसे पहले भगवान परशुराम ने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास स्थित 'पुरा महादेव'का कावड़ से गंगाजल लाकर जलाभिषेक किया था।परशुराम, इस प्रचीन शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए गढ़मुक्तेश्वर से गंगा जी का जल लाए थे। आज भी इस परंपरा का पालन करते हुए सावन के महीने में गढ़मुक्तेश्वर से जल लाकर लाखों लोग पुरा महादेव का जलाभिषेक करते हैं। गढ़मुक्तेश्वर का वर्तमान नाम ब्रजघाट है।वहीं कुछ विद्वानों का कहना है कि सर्वप्रथम त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कावड़ यात्रा की थी। माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के क्रम में श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र में थे जहां उनके अंधे माता-पिता ने उनसे मायापुरी यानि हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा प्रकट की।माता-पिता की इस इच्छा को पूरी करने के लिए श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कावड़ में बैठा कर हरिद्वार लाए और उन्हें गंगा स्नान कराया. वापसी में वे अपने साथ गंगाजल भी ले गए। इसे ही कावड़ यात्रा की शुरुआत माना जाता है।कुछ मान्यताओं के अनुसार भगवान राम पहले कावडिया थे। उन्होंने बिहार के सुल्तानगंज से कावड़ में गंगाजल भरकर, बाबाधाम में शिवलिंग का जलाभिषेक किया था।पुराणों के अनुसार कावड यात्रा की परंपरा, समुद्र मंथन से जुड़ी है। समुद्र मंथन से निकले विष को पी लेने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। परंतु विष के नकारात्मक प्रभावों ने शिव भी प्रभावित हुए।शिव को विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त कराने के लिए उनके अनन्य भक्त रावण ने ध्यान किया।तत्पश्चात कावड़ में जल भरकर रावण ने पुरा महादेव स्थित शिवमंदिर में शिवजी का जल अभिषेक किया। इससे शिवजी विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त हुए।कुछ मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से निकले हलाहल के प्रभावों को दूर करने के लिए देवताओं ने शिव पर पवित्र नदियों का शीतल जल चढ़ाया था। सभी देवता शिवजी पर गंगाजी से जल लाकर अर्पित करने लगे। सावन मास में कावड़ यात्रा का प्रारंभ यहीं से हुआ। सामान्य कांवड़िए कांवड़ यात्रा के दौरान जहां चाहे रुककर आराम कर सकते हैं। आराम करने के दौरान कांवड़ स्टैंड पर रखी जाती है, जिससे कांवड़ जमीन से न छूए। डाक कांवड़-डाक कांवड़िया कांवड़ यात्रा की शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक लगातार चलते रहते हैं, बगैर रुके। शिवधाम तक की यात्रा एक निश्चित समय में तय करते हैं। यह समय अमूमन 24 घंटे के आसपास होता है। इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैंखड़ी कांवड़-कुछ भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं।

डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से खुली मप्र में निवेश की नई राहें

▪ हर्षवर्धन पान्डे

दुबई टेक्सटाइल सिटी के दौरे और टेक्समस एसोसिएशन के साथ इंटरएक्टिव सत्र में डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के वस्त्र उद्योग की क्षमताओं को प्रस्तुत किया। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क और अन्य टेक्सटाइल क्लस्टरों को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिया गया।

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके विजन और निवेशकों के प्रति सरकार की पारदर्शी नीतियों ने आज मध्यप्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में से एक बना दिया है। हाल के वर्षों में डॉ. यादव की विदेश यात्राओं और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे नवाचारों ने राज्य में निवेश की लहर को बूस्टर डोज देने का काम किया है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए बेहतर स्टेट बनाने के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों की बदौलत आज निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम, बिजली बिलों में छूट, और जमीन आवंटन में आसानी जैसे लाभ प्राप्त हो रहे हैं। डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वासन दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेश करने पर उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनकी यह प्रतिबद्धता निवेशकों के बीच विश्वास जगाने में सफल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बेहद कम समय में निवेश, रोजगार सृजन और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी पारदर्शी नीतियां, वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी और रोजगार व कौशल विकास पर विशेष जोर ने मध्यप्रदेश को आज भारत का सबसे प्रगतिशील राज्य बना दिया है। निवेश के लिए उनकी लगातार हो रही विदेश यात्राएं अब राज्य की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में एक नया अध्याय लिख रही हैं। डॉ. यादव का यह मिशन मध्यप्रदेश को न केवल निवेश का केंद्र बनाएगा, बल्कि इसे धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में भी वैश्विक पहचान मिलेगी ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, जर्मन और जापान जैसे देशों से 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य में 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना को दर्शाते हैं। इन निवेशों ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, खाद्य प्रसंस्करण, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनाने में मदद की है।हाल ही में लुधियाना में

उद्योगपतियों के साथ हुए इंटरेक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को 15,606 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिससे 20,275 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है।डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं जिनमें उद्योग-अनुकूल नीतियां, रियायती भूमि आवंटन और पूंजीगत अनुदान जैसे प्रावधान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का दुबई दौरा भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित करने में सफल साबित हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों और व्यापारिक संगठनों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की जिनमें लुलु ग्रुप, सराफ डीजी, ईसा एआई अल गुरैर ग्रुप, गल्फ इस्लामिक इन्वेस्टमेंट्स, जी42 इंडिया और टाटा संस मिडिल ईस्ट जैसी कंपनियां शामिल रही। इन बैठकों में स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश के संभावित क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), लॉजिस्टिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा हुई। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं को निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया गया। गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के साथ हुई चर्चाओं में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार किया गया। इसके अलावा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ बैठक में लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया गया।दुबई में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश दुबई बिजनेस फोरम एंड नेटवर्किंग डिनर इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा जहाँ अपनी डिनर डिप्लोमैसी से डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश-अनुकूल नीतियों से अवगत कराया। एमपी की पर्यटन क्षेत्र में जबरदस्त ब्रांडिंग के लिए और भरपूर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक राउंडटेबल बैठक का आयोजन भी किया गया जहाँ निवेशकों ने मध्यप्रदेश के पर्यटन की प्रशंसा की।

मध्यप्रदेश सरकार ने हाल के वर्षों में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। डॉ. यादव ने बताया कि फरवरी 2025 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत संकेत है। इसके अलावा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन से भी निवेश के लिए एमपी की जबरदस्त ब्रांडिंग हुई। दुबई दौरे के दौरान भी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में विशेष रूचि दिखाई और कई महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव सामने आए। दुबई दौरे में शराफ डीजी ग्रुप ने लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 30-50 मिलियन डॉलर का प्रस्ताव रखा जबकि कोनेरी ग्रुप ने 75 मिलियन डॉलर के स्टील प्लांट की योजना प्रस्तुत की।

अहमदाबाद प्लेन हादसा की प्रारंभिक रिपोर्ट

एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की प्रारंभिक रिपोर्ट से कुछ जवाब तो मिले हैं, लेकिन इसके कारण को लेकर अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है।बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान पश्चिमी भारत के अहमदाबाद शहर से लंदन जाते समय उड़ान भरने के एक मिनट से भी कम समय बाद एक इमारत से टकरा गया, जिससे उसमें सवार 241 लोगों और ज़मीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। एक यात्री बच गया।हालांकि, विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का दावा है कि जाँचकर्ता बहुत ही चयनात्मक तरीके से बयान दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत, किसी हवाई दुर्घटना की जाँच करने वाले राज्य को 30 दिनों के भीतर एक प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करनी होती है। भारत के वायु दुर्घटना जाँच ब्यूरो (ढ्ढक्क) द्वारा शनिवार को प्रकाशित 15-पृष्ठ का दस्तावेज़ इस आवश्यकता को पूरा करता है।हालाँकि एएआईबी जाँच का नेतृत्व कर रहा है, लेकिन इसमें अमेरिकी हितों का भी प्रतिनिधित्व है, क्योंकि विमान निर्माता बोइंग और इंजन निर्माता जीई एयरोस्पेस अमेरिकी हैं।यह याद रखना ज़रूरी है कि प्रारंभिक रिपोर्ट का उद्देश्य पूरी घटना की कोई ठोस निष्कर्ष निकालना नहीं होता। ये रिपोर्ट एक लंबी जाँच के शुरुआती चरणों में प्राप्त जानकारी का सारांश हैं।दुर्घटनाग्रस्त उड़ान के अपने विवरण में, एएआईबी ने कहा है कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दो ईंधन कट-ऑफ स्विच रन से कट-ऑफ स्थिति में आ गए थे।इससे इंजनों का ईंधन खत्म हो गया और उनका थ्रस्ट कम हो गया। हालाँकि फ्लाइट रिकॉर्डर के डेटा से पता चलता है कि इंजन बाद में फिर से चालू हो गए थे, लेकिन दुर्घटना को रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी थी।इन स्विचों का इस्तेमाल आमतौर पर उड़ान से पहले इंजन चालू करने और बाद में बंद करने के लिए ही किया जाता है। इनमें एक लॉकिंग मैकेनिज्म होता है, जिसका मतलब है कि इन्हें पलटने से पहले बाहर निकालना होगा, यह एक ऐसी प्रणाली है जिसे आकस्मिक तैनाती को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा, तुमने कट-ऑफ क्यों किया?, जबकि उसके सहयोगी ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।हालाँकि, यह बातचीत का कोई सीधा प्रतिलेख उपलब्ध नहीं कराता, जिसे कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर रिकॉर्ड कर लेता। न ही यह बताता है कि किस पायलट ने सवाल पूछा था।जाँच अधिकारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सार्वजनिक करने के लिए भी बाध्य नहीं है।विमानन क्षेत्र में मानवीय हताहतों और वित्तीय नुकसान को कम करने के लिए इन दुर्घटनाओं के कारणों और विवरणों का विश्लेषण आवश्यक है। ज़मीन पर, जैसे एप्रन पर, और हवा में, उपचारात्मक उपायों को लागू करने पर विशेष ज़ोर दिया जाना चाहिए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ष्ठत्रष्ट) सुरक्षा निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। रोज़ाना बढ़ती हवाई दुर्घटनाओं को देखते हुए, स्थापित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रबंधन योजना और ज़मीनी संचालन का एक व्यापक अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2015 से, इन दुर्घटनाओं के मूल कारणों की जाँच के लिए एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा जारी है। भारत में हवाई परिवहन ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, साथ ही दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में भी वृद्धि हुई है। डीजीसीए के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान परिचालन से संबंधित किसी भी घटना से है, दुर्घटनाओं को छोड़कर, जो सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हाँ यह देखा गया है कि दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण उड़ान संचालन, उतरना, टेक-ऑफ, ईंधन प्रबंधन, यांत्रिक समस्या मौसम हैं जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या प्रभावित कर सकती है। हवाई अड्डे का एप्रन, रैंप या टैक्सीवे, हवाई अड्डे का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क, उतरते, ईंधन भरते, सामान लादते या रखरखाव करते हैं। एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है। एप्रन क्षेत्र (जिसे कभी-कभी रैंप भी कहा जाता है) हवाई अड्डा प्रबंधन और एयरलाइनों की ज़िम्मेदारी है। हवाई अड्डा प्रबंधन यात्रियों और मालवाहकों को हवाई यातायात सुविधाओं जैसे गेट, कार्गो पार्किंग क्षेत्र, जेटवे और ईंधन भरने की प्रणालियों तक पहुँच प्रदान करता है। एयरलाइनें हवाई अड्डा प्रबंधन से गेट पट्टे पर लेती हैं और सुविधाओं के उपयोग के अधिकार प्राप्त करती हैं। एप्रन क्षेत्र में जमीनी संचालन में कई प्रकार की सेवाएँ शामिल होती हैं। ये सेवाएँ या तो एयरलाइनों द्वारा स्वयं प्रदान की जाती हैं या उप-ठेकेदारों को आउटसोर्स की जाती हैं। डीजीसीए की परिभाषा के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान संचालन से जुड़ी किसी भी दुर्घटना से नहीं है और जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हवाई क्षेत्र में होने वाली घटनाएँ हवाई अड्डे के संचालन क्षेत्रों, जैसे रनवे और रैंप ज़ोन, में होने वाली घटनाओं को संदर्भित करती हैं, जो सुरक्षा या संचालन को प्रभावित कर सकती हैं। हवाई अड्डा एप्रन, रैंप या एप्रन हवाई अड्डे के भीतर एक ऐसा क्षेत्र होता है जहाँ विमानों को पार्क किया जाता है, उड़ान भरी जाती है, ईंधन भरा जाता है, लोड किया जाता है या उनका रखरखाव किया जाता है। एप्रन नियमों के अधीन होता है और आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल होता है।. रैंप क्षेत्र (जिसे कभी-कभी एप्रन भी कहा जाता है) एयरपोर्ट प्रबंधन,एयरपोर्ट एप्रन, रैंप या टारमैक, एयरपोर्ट का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क किए जाते हैं, उतारे जाते हैंया चढ़ाए जाते हैं, ईंधन भरे जाते हैं, विमान में चढ़ाए जाते हैं या उनका रखरखाव किया जाता है। एप्रन का उपयोग नियमों द्वारा कवर किया जाता है, आमतौर पर रनवे या टैक्सीवे की तुलना में उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ होता है।

संजय गोस्वामी

कोख में कत्ल होती बेटियाँ... हरियाणा की घुटती संवेदना

प्रियंका सौरभ

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण - कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं। जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए – जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को सहेली की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दर्शाता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है।

क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल काग़ज़ों तक सीमित रह गया है। हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की पश्च परीक्षण प्रणाली को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है।

क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीड़िता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी?

फीचर

तुलसी पूजन और गो सेवा से रहेंगे रोग दूर

'स्कंद पुराण' के अनुसार जिस घर में तुलसी का बगीचा होता है (एवं प्रतिदिन पूजन होता है), उसमें यमदूत प्रवेश नहीं करते।' 'पद्म पुराण' में आता है कि 'कलियुग में तुलसी का पूजन, कीर्तन, ध्यान, रोपण और धारण करने से वह पाप को जलाती है और स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करती है।''

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, बहुत सारे ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर व्यक्ति सरल एवं सुलभ जीवन व्यतित कर सकता है। उन्हीं में से तुलसी पूजन और गो सेवा दो ऐसे शुभ कर्म हैं, जिस घर में प्रतिदिन होते हैं, वहां का द्वार रोग कभी नहीं खटखटाते और मिलते हैं ढेरों लाभ।

'स्कंद पुराण' के अनुसार जिस घर में तुलसी का बगीचा होता है (एवं प्रतिदिन पूजन होता है), उसमें यमदूत प्रवेश नहीं करते।' 'पद्म पुराण' में आता है कि 'कलियुग में तुलसी का पूजन, कीर्तन, ध्यान, रोपण और धारण करने से वह पाप को जलाती है और स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करती है।' 'पद्म पुराण' के उत्तर खंड में आता है कि कैसा भी पापी, अपराधी व्यक्ति हो, तुलसी की सूखी लकडियां उसके शव के ऊपर, पेट पर, मुंह पर थोड़ी-सी बिछा दें और तुलसी की लकड़ी से अग्नि शुरू करें तो उसकी दुर्गति से रक्षा होती है। यमदूत उसे नहीं ले जा सकते।

'गरुड़ पुराण' (धर्म कांड-प्रेत कल्प ~ 38.99) में आता है कि 'तुलसी का पौधा लगाने, पालन करने, सींचने तथा ध्यान, स्पर्श और गुणगान करने से मनुष्यों के पूर्व जन्मार्जित पाप जल कर विनष्ट हो जाते हैं।'

'मृत्यु के समय जो तुलसी-पत्ते सहित जल का पान करता है वह सपूर्ण पापों से मुक्त होकर विष्णु लोक में जाता है।' (ब्रह्मवैवर्त पुराण, प्रकृति खंड ~ 21.43)

'जो दारिद्रय मिटाना व सुख-सपदा पाना चाहता है उसे शुद्ध भाव व भक्ति से तुलसी के पौधे की 108 परिक्रमा करनी चाहिए।'

ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाने से बरकत होती है।

प्रेरणा

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

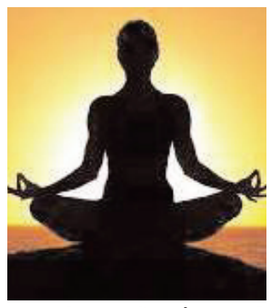

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा।

अपनी बात

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भारत को अपनी सुरक्षा तय करने के लिए स्वदेशी क्षमताओं का विकास करना चाहिए। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से भारत के खिलाफ चलाए गए ड्रोन नाकाम रहे और कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी दावा किया था कि पाकिस्तान की कार्रवाई में भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया, भाजपा के भ्रष्टाचार की गंदगी में। हर बार जब कोई पुल गिरता है, हर बार जब कोई सड़क बह जाती है, हर बार जब कोई ट्रेन पटरी से उतरती है समझ लीजिए, ये सिर्फ़ निर्माण की असफलता नहीं, ये आपकी जेब से एक संगठित लूट है।''

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत : आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

दैनिक
खबरों की रोशनी

भोपाल, शुक्रवार 18 जुलाई 2025

ब्रीफ न्यूज़

26 की उम्र तक पांच बच्चों की मां बनी अमेरिका की तनेटा हैम्पटन

वाशिंगटन। अमेरिका की रहने वाली तनेटा हैम्पटन सिर्फ 16 साल की उम्र में पहली बार मां बन गई थीं, और 26 की उम्र में वह पांच बच्चों की मां बन चुकी थी। तनेटा ने खुद स्वीकार किया कि उनका पारिवारिक जीवन उस वक्त बेहद अस्थिर था और वे चाहती थीं कि उनके जीवन में कोई ऐसा हो जिसे वे बेइंतहा प्यार दे सकें। इसीलिए उन्होंने बहुत कम उम्र में बच्चे को जन्म दिया। 26 की उम्र तक वह पांच बच्चों की मां बन चुकी थीं। उनके इन बच्चों के पिता भी अलग-अलग थे। उनके बच्चों के नाम निया (27), डायलीक (25), डार्मनिक (24), ज़ायन (20) और कहलाई (17) हैं। तनेटा बताती हैं कि एक सिंगल मदर के रूप में उनका सफर आसान नहीं था। उन्होंने इसे ÷सर्वाइवल मोड÷ बताया, जहां उन्हें हर दिन बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करना पड़ता था। करीब 11 साल पहले तनेटा की जिंदगी में फ्रेडरिक नाम का शख्स आया, जो उनके बच्चों के साथ गहराई से जुड़ गया। दोनों ने जल्द ही शादी कर ली।

50 दिन वाले अल्टीमेटम पर रूस ने कहा- हम ट्रंप की धमकियों से नहीं डरते

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि 50 दिन के भीतर रूस इस युद्ध को खत्म करे, वरना 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगा देंगे। इस पर रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा, हम किसी भी तरह के अल्टीमेटम को स्वीकार नहीं करते। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि ट्रंप की टिप्पणी गंभीर है और मास्को इसे विस्तार से समझने की कोशिश करेगा। ट्रंप के बयान के बाद रूस ने साफ कर दिया है कि वह किसी तरह की धमकी या दबाव में नहीं झुकेगा। रयाबकोव ने कहा कि मास्को डिप्लोमैटिक बातचीत को प्राथमिकता देगा, लेकिन उसे पश्चिम से लोहे जैसे ठोस आश्वासन चाहिए, खासकर इस बात पर कि यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में फिर लापरवाही

वाशिंगटन। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के आसपास एक प्लेन उड़ता नजर आया था। जिसे अमेरिकी वायुसेना ने खदेड़ दिया था। अब व्हाइट हाउस पर कुछ अजीब सी चीज फेंकने का मामला सामने आया है। ट्रंप के आधिकारिक आवास वाइट हाउस के नॉर्थ लॉन में किसी अनजान व्यक्ति ने एक वस्तु फेंकी, जिसके बाद पूरे परिसर को लॉकडाउन कर दिया गया। अचानक से सुरक्षा एजेंसियों की हलचल बढ़ गई और मीडिया को तत्काल ब्रीफिंग रूम में ले जाया गया। करीब 30 मिनट तक अफरातफरी के माहौल के बाद सीक्रेट सर्विस ने 'ऑल-क्लियर' का ऐलान किया और प्रेस को फिर से बाहर जाने की अनुमति दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति ने वाइट हाउस की बाड़ के पार कुछ फेंका था। सीक्रेट सर्विस ने बिना समय गंवाए पूरे इलाके को सील कर दिया और पेंसिलवेनिया एवेन्यू भी बंद कर दी गई।

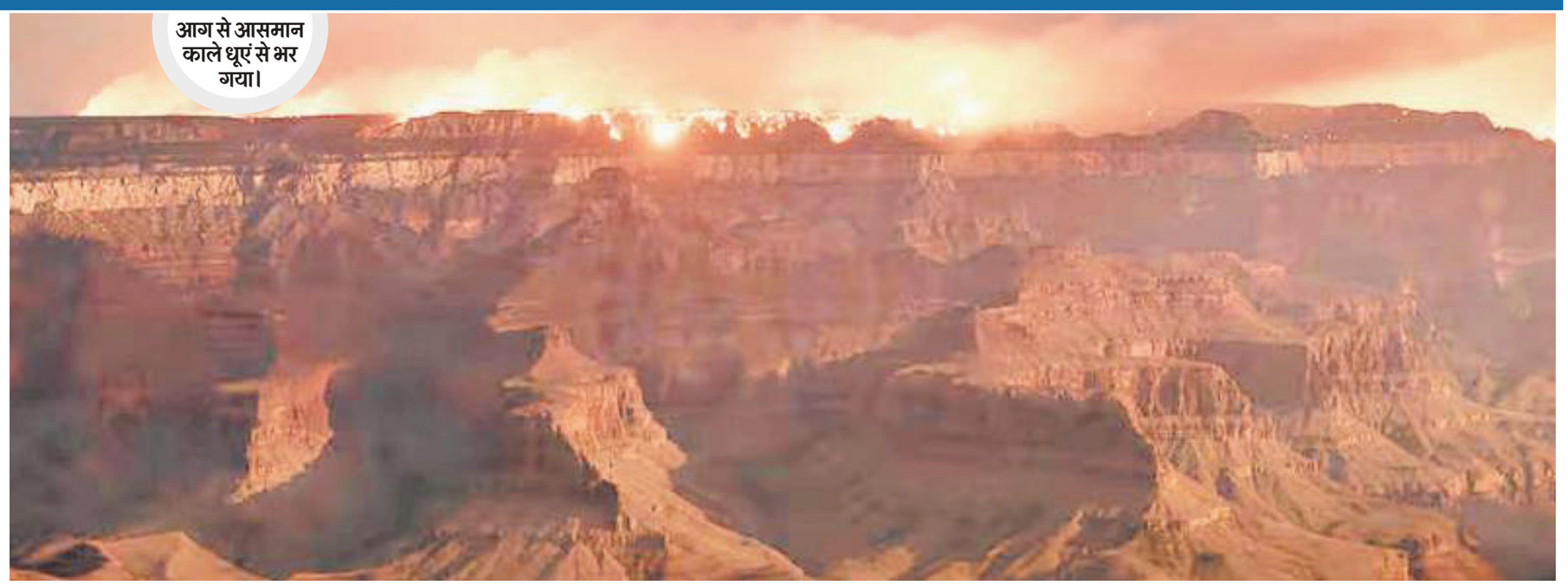

आग से आसमान काले धूएं से भर गया।

1945 में धरती बन गई थी आग का गोला 240 किमी दूर तक दिखा काला धुआं

आज ही के दिन 16 जुलाई को अमेरिका ने किया था पहला परमाणु परीक्षण

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

दुनिया आज डरी है दो परमाणु शक्तियों के बीच युद्ध से। यही वजह है कि जब बीती मई में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ तो पूरी दुनिया में हलचल मच गई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अमेरिका तक शांति की अपील कर रहे थे। इस तनाव के दौरान पाकिस्तान तो परमाणु बम की धमकी भी देने लगा था, हालांकि, भारत ने बिना परमाणु बम का जिक्र किए अपनी ताकत दिखाई और पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए मजबूर किया।

बता दें दुनिया का पहला परमाणु विस्फोट आज ही के दिन यानी 16 जुलाई 1945 को अमेरिका में किया गया था। ट्रिनिटी नाम का यह परमाणु बम अमेरिका के मैनहट्टन प्रोजेक्ट का हिस्सा था, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु हथियार विकसित करने के लिए अमेरिका का एक भारी भरकम वैज्ञानिक और सैन्य प्रयास था। साल 1945 की 16 जुलाई की तारीख थी, जब 20वीं सदी की सबसे अहम घटनाओं में से एक घटी थी। इस दिन अमेरिका ने न्यू मैक्सिको के अलामोगोर्डो में पहले परमाणु बम का परीक्षण किया था।

पहले परमाणु विस्फोट के लिए इस्तेमाल किए गए बम का नाम द गैजेट रखा गया था और इसमें प्लूटोनियम-239 का इस्तेमाल हुआ था। इसे अमेरिकी समयानुसार सुबह के 5.29 बजे विस्फोट किया गया था, जिसके बाद एक आग का गोला बना और चकाचौंध कर देने वाली चमक निकली थी। इससे पैदा हुई गर्मी सूरज की सतह से भी ज्यादा थी। विस्फोट के बाद एक मशरूम के आकार का बादल आसमान में 11 किलोमीटर से भी ऊपर उछा था। इस विस्फोट से करीब 21 किलोटन टीएनटी के बराबर ऊर्जा पैदा हुई।

इस घटना को 300 किमी दूर मौजूद लोगों ने देखने का दावा किया था। 240 किलोमीटर दूर मौजूद एक फॉरेस्ट रेंजर ने बताया कि उसने आग की एक चमक, एक विस्फोट और काला धुआं देखा। न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क के पास 10,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहे एक अमेरिकी नौसेना के पायलट ने कहा कि इससे उनके विमान का कॉकपिट रोशन हो गया और ऐसा लगा जैसे दक्षिण में सूरज निकल आया हो। जब उन्होंने स्पष्टीकरण के लिए अल्बुकर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल को रेडियो पर संपर्क किया, तो उन्हें बस इतना कहा गया कि दक्षिण की ओर उड़ान न भरें।

भौतिकी के वैज्ञानिक ने मैनहट्टन प्रोजेक्ट को लीड किया, जिसमें उस समय के महान वैज्ञानिकों ने काम किया था। इस परीक्षण ने साबित किया कि परमाणु विखंडन को हथियार के तौर पर विकसित किया जा सकता है। यह इतिहास को बदलने वाली खोज थी। स्फोट का विहंगम दृश्य देखने के बाद ओपेनहाइमर ने हिंदू धर्मग्रंथ भगवद् गीता का प्रसिद्ध उद्धरण दिया और कहा कि अब मैं मृत्यु बन गया हूं, संसारों का संहार करने वाला। इस विस्फोट के ठीक तीन सप्ताह बाद अमेरिका ने 6 अगस्त को जापान के हिरोशिमा और 9 अगस्त को नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे, जिसके बाद जापान ने आत्मसमर्पण किया था। इसके साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध खत्म हुआ था। लेकिन इसके बाद परमाणु हथियारों को लेकर दौड़ शुरू हो गई, जिसमें रूस और अमेरिका ने हजारों परमाणु बम का निर्माण किया। आज दुनिया में इतने परमाणु बम हैं कि इसे कई बार बर्बाद किया जा सकता है। इसके बावजूद परमाणु बम हासिल करने के लिए प्रयास आज भी जारी हैं।

तुर्की के साथ जारी डिफेंस प्रोजेक्ट लटके, खत लिखकर मोहलत मांग रहा पाक

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में तुर्की की तरफ़ से 50 से ज़्यादा प्रोजेक्ट या तो चल रहे हैं या फिर चलाए जाने हैं। पैसों की किल्लत के चलते कई बड़े प्रोजेक्ट लटक चुके हैं। इसकी पुष्टि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के 22 मई को तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन को लिखी एक सीक्रेट चिट्ठी से हुई। इसमें पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की बदहाली का रोना रोया गया। इस चिट्ठी में शहबाज शरीफ ने पैसे नहीं होने के चलते नेवी के वॉरशिप प्रोजेक्ट माइलजेम को पूरा ना होने का कारण गिनवा रहे हैं। वहीं सबमरीन प्रोजेक्ट भी पैसे की कमी के चलते अटक गया है। चिट्ठी में पाकिस्तान ने तुर्की से 2-3 साल तक बकाया भुगतान टालने और डिलीवरी शेड्यूल को ना रोकने की गुहार लगाई है। ऑल वेदर फ्रेंड चीन के बाद अब तुर्की बड़े भाई की भूमिका में डूबते पाकिस्तान की बैसाखी बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने तुर्की के ड्रोन को मार गिराया था। दोनों देशों के बीच रिश्ते पिछले कुछ सालों में बेहतर हुए हैं, जो चिंता का सबब हो सकता है। तुर्की की मदद से पाकिस्तान अपनी सामरिक ताक़त को बढ़ाने में जुटा है। खुफिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि अब पाकिस्तान में ही पाकिस्तान की एयरफोर्स के साथ मिलकर एक बड़ी हथियार बनाने की फ़ैक्ट्री लगाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक़ फ़ैक्ट्री जहां लगाई जानी है उसका ग्राउंड सर्वे पूरा हो चुका है और बाकी अन्य फॉरमेलिटी भी पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा तुर्की कोड नेम 'प्रोजेक्ट इक़बाल' के तहत पाकिस्तान के लिए हाई ऑप्टिकल सैटेलाइट कैमरा डेवलप करने में जुटा है।

चुनौवी रैली में हुए हमले से ट्रंप को बचाने वाली महिला एजेंट फिर चर्चा में

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले साल एक चुनावी रैली में 13 जुलाई को हमला था। यह हमला जब हुआ था राष्ट्रपति रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी उन पर गोली चलाई गई थी। इसमें वह बाल-बाल बचे गए थे। उस वक्त एक महिला सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उन्हें कवर करते हुए उन्हें वहां से निकाला था। गोलीबारी के बाद ट्रंप को सुरक्षा घेरा में लेते हुए कंधे के सहारे से वहां से लेकर जाती हुए महिला सीक्रेट सर्विस एजेंट की कई फोटो सामने आई थी। इस घटना को एक साल पूरा हो चुका हैं और उस सीक्रेट सर्विस एजेंट की बहादुरी की एक बार फिर से चर्चा हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबक 35 साल की सीक्रेट सर्विस एजेंट साराटोगा काउंटी के एक छोटे से शहर हाफमून में पली-बढ़ी हैं। उनके नाम का खुलासा सुरक्षा कारणों से नहीं किया जा सकता है। उन्होंने मैकेनिकविले हाईस्कूल से शिक्षा प्राप्त की, जहां उन्होंने 2007 में स्नातक होने से पहले स्कूल की फुटबॉल और बास्केटबॉल टीमों के लिए खेला। ऑनलाइन बायोडाटा साइटों के मुताबिक इसके बाद उन्होंने सनी अल्बानी में दाखिला लिया। वहां उन्होंने राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री ली। फिर सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट लिया और गृह सुरक्षा में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने 2009 में कॉलेज में रहते हुए ही सीक्रेट सर्विस में प्रशासनिक सहायक के रूप में काम किया था। वर्तमान सुरक्षा ड्यूटी में आने से पहले उन्होंने कुछ समय के लिए राज्य के मोटर वाहन विभाग में डेटा एनालिस्ट के रूप में भी किया। उनके एक सीक्रेट सर्विस सहकर्मी ने कहा कि वह एक अच्छी एजेंट हैं। 13 जुलाई को बटलर, पेनसिल्वेनिया में हुई रैली की प्रसिद्ध तस्वीर में, एजेंट ने ट्रम्प के दाहिने तरफ झुकी हुए देखी गईं। वह अपने हाथ को उठाकर ट्रंप को कवर करने की कोशिश कर रही थीं। जब हत्यारे ने ट्रम्प पर रैली के दौरान गोलीबारी शुरू कर दी थी।

डिजिबूती सहित कई देशों में महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा

लंदन। चीन और भारत जैसे एशियाई देशों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले कम है वहीं कुछ देश ऐसे भी हैं जहां महिलाओं की संख्या पुरुषों से कहीं ज्यादा है। ऐसा ही एक देश है डिजिबूती। यहां कुल जनसंख्या में करीब 55 फीसदी महिलाएं हैं और हर पुरुष पर लगभग दो महिलाओं का अनुपात है। इसकी बड़ी वजह यह है कि वहां के पुरुष काम की तलाश में खाड़ी देशों में चले जाते हैं, जिससे देश में जेंडर गैप बढ़ता जाता है। इसी तरह हॉन्ग कॉन्ग में भी महिलाओं की संख्या ज्यादा है। यहां लिंग अनुपात 1.16 है। वजह यह है कि यहां घरेलू कामकाज करने वाली ज्यादातर महिलाएं हैं और महिलाएं पुरुषों से ज्यादा लंबी उम्र भी जीती हैं। लिथुआनिया में भी तस्वीर कुछ ऐसी ही है। यहां महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है, खासकर बुजुर्ग आबादी में। इसका कारण पुरुषों में ज्यादा बीमारियां और अपेक्षाकृत कम उम्र तक जीवित रहना है।

कनाडा में लॉरेंस का खौफ: आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग

एजेंसी ■ ओटावा

कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग खौफ की नई परिभाषा बन चुका है। यही कारण है कि अब उसे आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग हो रही है। हिंसा, ड्रग्स, वसूली और 'टारगेटेड किलिंग्स' के आरोपों के चलते इस गैंग के खिलाफ आवाजें तेज होती जा रही हैं।

अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख डेनिएल स्मिथ ने बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने की खुली मांग कर डाली। उनका कहना है कि यह गैंग कनाडा ही नहीं, पूरी दुनिया में अपराध फैला रहा है। भारत सरकार पहले ही कनाडा से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के उन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, जो वहां रहकर गैंग चला रहे हैं। इसमें प्रमुख नाम है गोल्डी बराड़ का जिसे पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या में मुख्य आरोपी बताया गया है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक बिश्नोई और गोल्डी अब अलग-अलग हो गए हैं। एक संयुक्त बयान में उन्होंने कहा, लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक ट्रांसनेशनल क्रिमिनल नेटवर्क है, जो हिंसा, वसूली, ड्रग्स तस्करी और सुनियोजित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। इसका दायरा वैश्विक है और मंशा पूरी तरह आपराधिक। उन्होंने कहा कि इस गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने से स्थानीय और प्रांतीय पुलिस एजेंसियों को वह कानूनी ताकत और संसाधन मिलेंगे, जिनकी उन्हें जरूरत है, ताकि इस नेटवर्क को तोड़ा जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इससे पहले जून में ब्रिटिश कोलंबिया की मुख्यमंत्री डेविड ईबी भी इसी मांग को उठा चुके हैं। अब केंद्र सरकार पर दबाव है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करे। हालांकि, कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मिनिस्टर गैरी अनंदसंगारे ने कहा कि ऐसा कोई फैसला लेने से पहले 'कानूनी पैमाना' पूरा करना जरूरी होगा। फिलहाल मामला विचाराधीन है और एजेंसियां सबूतों की जांच कर रही हैं।

रुस-यूक्रेन जंग खत्म होने की उम्मीद धूमिल....पैट्रियट मिसाइल सिस्टम आग में घी का काम करेगा

आखिरकार पुतिन को मनाने में हार गए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी ■ वाशिंगटन

एयरक्राफ्ट हो, क्रूज मिसाइल हो, बड़े ड्रोन हों या फिर शॉर्ट रेंज बैलेस्टिक मिसाइल। पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम इन सभी प्रहारों से निपट सकता है। यह एक एडवांस मोबाइल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, इस अमेरिका द्वारा विकसित किया गया है। यह कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों (एसआरबीएम) और कुछ हाइपरसोनिक मिसाइलों, जैसे रूस की किंजल मिसाइल को रोकने में सक्षम है। इस मिसाइल की ताकत अब यूक्रेन को फिर से मिल रही है। यूक्रेन-रूस जंग को रुकवाने की कोशिशें कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बेहद निराश हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन से फ़ोन पर बात करना सुखद होता है, लेकिन फिर वह पलटकर यूक्रेन पर भीषण बमबारी शुरू कर देते हैं।

यूक्रेन को हथियारों की खेप भेजने का ट्रंप का फैसला रूस-यूक्रेन जंग में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा है। जिन्होंने अपने कार्यकाल के शुरुआती महीनों में पुतिन को युद्धविराम समझौते के लिए मनाने की कई कोशिश की। लेकिन हर बार उन्हें निराशा हाथ लगी। अब ट्रंप ने नई पॉलिसी के तहत यूक्रेन को हथियारों की नई खेप देने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई करेगा। और इसका भुगतान नाटो के देश करने वाले है। रूट ने कहा कि उपकरणों की पहली खेप के हिस्से के रूप में मिसाइलों सहित भारी मात्रा में हथियार भेजे जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और बैटरियों सहित हाई लेवल के युद्धक साजो-सामान यूक्रेन पहुंचने जा रहे हैं। यूक्रेन को मिलने वाले हथियारों में सबसे अहम है पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम। इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम को रेथियॉन कंपनी ने बनाया है और यह पहली बार 1980 के दशक में तैनात किया गया था। पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम का सबसे मजबूत पक्ष है इसका रडार सिस्टम है। यह एक शक्तिशाली फेज्ड-ऐरे रडार है, जो 100 से अधिक लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक कर सकता है और मिसाइलों को सटीक निशाना बनाने में मदद करता है। प्रत्येक पैट्रियॉट बैटरी में 4-8 लॉन्चर होते हैं, जो अलग अलग प्रकार की मिसाइलों को दाग सकते हैं। पैट्रियॉट सिस्टम कई प्रकार की मिसाइलों का उपयोग करता है।जैसे विस्फोटक वारहेड के साथ, बड़े लक्ष्यों के लिए।

सीजफायर की संभावनाओं पर असर

ट्रंप के इस फैसले से रूस-यूक्रेन युद्ध में सीजफायर की संभावनाएं कम हो गई हैं। रूस का मानना है कि पैट्रियट को यूक्रेन को देना सीधे तौर पर तनाव बढ़ाएगा। दोनों पक्षों की परस्पर विरोधी मांगें और विश्वास की कमी के कारण युद्धविराम की संभावना कम दिखती है।

675 मीटर नीचे गहरे समुद्र में छिपा था दूसरे विश्वयुद्ध का गवाह! देखकर चकित रह गए वैज्ञानिक

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जब माहौल शांत हुआ, तो युद्ध में खोए युद्धपोत, एयरक्राफ्ट और हथियार ढूंढे जाने लगे। वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं की एक टीम ने इसी कड़ी में द्वितीय विश्व युद्ध के एक प्रसिद्ध अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस न्यू ऑरलियन्स का कटा हुआ सामने वाला हिस्सा खोज निकाला है। यह खोज प्रशांत महासागर के सोलोमन द्वीप समूह के पास स्थित आयरन बॉटम साउंड में समुद्र की सतह से 675 मीटर नीचे की गई। इस हमले में जहाज को गंभीर क्षति पहुंची थी और वह समंदर में जलमग्न हो गया था। हालांकि एक बहादुर चालक दल ने उसे डूबने से बचाया, जिसके लिए उन्हें मरणोपरांत तीन नेवी क्रॉस से सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक खोज में शामिल यूएस नेवी हिस्ट्री एंड हेरिटेज कमांड के फ्रैंक थॉम्पसन ने बताया कि उन्होंने आरओवी हर्क्यूलिस, नेवी के पुराने रिकॉर्ड, आर्काइव दस्तावेज, और चश्मदीदों के बयान के आधार पर यह खोज की है। थॉम्पसन ने कहा कि जब हमने जब इन बहादुरों की कहानियां पढ़ीं, तब हमें यह अंदाजा हुआ कि हमें मलबे में किस तरह के नुकसान को ढूंढकर लाना है।

अमरवाड़ा आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ ने सौंपा सी एम के नाम ज्ञापन

ई अटेंडेंस के विरोध में अतिथि शिक्षकों ने ब्लाक स्तरीय द्वारा अमरवाड़ा एस डी एम हेमकरण धुर्वे को दिया ज्ञापन

हर्ई अमरवाड़ा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी के साथ योगेश चौरसिया की

रिपोर्ट। अमरवाड़ा आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ मध्य प्रदेश भोपाल के प्रदेश स्तरीय आह्वान पर आज संपूर्ण प्रदेश के विभिन्न ब्लाकों में अतिथि शिक्षक संगठनों ने अपनी विभिन्न मांगों सहित वर्तमान में हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ई अटेंडेंस के विरोध में अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे को ज्ञापन सौंपा। अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों का पत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और शिक्षा मंत्री उदय राव प्रताप शाह के नाम एक ज्ञापन सौंप मांगो का निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से अतिथि शिक्षको ने ई अटेंडेंस लगाने के लिए हो रही असुविधा और खामियों को गिनाया और कई प्रकार की परेशानिया बतलाई अमरवाड़ा ब्लॉक प्रभारी एवं जिला मीडिया प्रभारी योगेश चौरसिया ने बताया कि वर्तमान सत्र 2025 में लोकशिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा अतिथि शिक्षकों को दिनांक 18 जुलाई से हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ऑनलाइन ई अटेंडेंस लगाने का आदेश जारी हुआ है। जिसको शिक्षा विभाग द्वारा अनिवार्य किया गया है जो कही न कही अतिथि शिक्षकों पर मानसिक और आर्थिक रूप से दवाब है वहीं बहुत से ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले अतिथि शिक्षकों के पास एंड्रॉयड मोबाईल फोन तक नहीं है और बहुत से ग्रामीण इलाको में नेटवर्क की परेशानी है। जिसके चलते अतिथि शिक्षकों ने आज ई अटेंडेंस लगाने का विरोध कर समस्त अतिथि शिक्षकों को इससे छूट प्रदान करने और ई अटेंडेंस नहीं लगाने को लेकर ज्ञापन दिया है।साथ ही शासकीय कर्मचारियों के भांति आकस्मिक अवकाश वेतन वृद्धि सहित मोबाईल फोन हेतु राशि उपलब्ध कराने एवं पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षको को अनुभव और वरिष्ठता के साथ प्रथम वरीयता प्रदान कर समस्त शासकीय लाभ प्रदान करने और अन्य व्यवस्थाओं सहित शासकीय सुविधाओं को प्रदान करने की मांग की गई है ।ताकि प्रदेश के अतिथि शिक्षक मानसिक रूप से परेशान होने से बच सके। इन्होंने बताया कि आगामी पांच दिनों तक अतिथि शिक्षकों को ई अटेंडेंस लगाने का आदेश वापिस नहीं लिया जाता है तो संपूर्ण प्रदेश के अतिथि शिक्षक भोपाल की धरा पर एकजुट होकर वृहद आंदोलन करने को मजबूर होंगे। आज के इस ब्लॉक स्तरीय ज्ञापन कार्यक्रम में ब्लॉक प्रभारी एवं जिला मीडिया प्रभारी योगेश चौरसिया, नीरज नेमा ,नंदकिशोर कुशवाह , हरीश कनोजे, चंचलेश ,रविशंकर डेहरिया,अजय कुमार वर्मा, सहित अनेक अतिथि शिक्षक शामिल रहे और ज्ञापन सौंपा।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान बना बच्चों की आवाज़

अलीराजपुर में पुलिस-छात्र संवाद से जागरूकता को नई दिशा नशे से दूरी पर बच्चों के सवाल, पुलिस अधीक्षक के सहज जवाब—अलीराजपुर में बना आदर्श संवाद मंच नशे से दूरी है जरूरी की शपथ पुलिस मित्र बनकर अपने गांव/फलिये मे दिलवानें हेतु अपील की

मुस्तकीम मुगल खबरों की रोशनी अलीराजपुर। पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार दिनांक 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में नशे से दूरी है जरूरी अभियान का व्यापक रूप से संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला अलीराजपुर में भी यह अभियान जनभागीदारी, रचनात्मकता एवं उत्साह के साथ आयोजित किया जा रहा है। जिले के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के शासकीय/अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा हाट-बाजार क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस क्रम में अलीराजपुर जिला मुख्यालय स्थित सर प्रताप उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण एवं अभियान के उद्देश्यों की संक्षिप्त व्याख्या से हुई। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने नशे से दूरी है जरूरी विषय पर विस्तार से प्रेरणास्पद उद्बोधन दिया। उन्होंने कहान्नशा एक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे व्यक्ति के शरीर, मन, परिवार और समाज को नष्ट करता है। युवा वर्ग को जागरूक होकर इसके खिलाफ खड़े होने की आवश्यकता है।उन्होंने बताया कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि संपूर्ण सामाजिक ताने-बाने की समस्या है, जिसका समाधान जन-सहयोग, संवेदनशीलता और सतत प्रयासों से ही संभव है। साथ ही बच्चों को प्रेरित किया कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवारजनों और आसपास के लोगों को नशे के खतरों से अवगत कराएं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने श्री व्यास से नशे के सामाजिक पहलुओं से जुड़े अनेक जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। एक छात्र द्वारा यह प्रश्न किया गया कि — अलीराजपुर में हर सामाजिक कार्यक्रम में शराब का प्रचलन होता है, इसे कैसे रोका जाए इस पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अलीराजपुर एक आदिवासी बाहुल्य जिला है जहां पारंपरिक कार्यक्रमों में शराब का प्रचलन सामान्य है, जिसे एक दिन में समाप्त नहीं किया जा सकता, परंतु आप जैसी युवा पीढ़ी अपने प्रयासों से यह सामाजिक बदलाव अवश्य ला सकती है। यदि हम अपने घर से शुरुआत करें, तो समाज में बदलाव की प्रक्रिया स्वत: शुरू हो जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे आयोजनों में शराब पर होने वाला खर्च कई बार शिक्षा, स्वास्थ्य या आजीविका के लिए उपयोगी हो सकता है। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे अपने माता-पिता एवं परिवारजनों को संकल्प दिलवाएँ कि किसी भी सामाजिक कार्यक्रम में शराब का सेवन नहीं किया जाएगा। साथ ही, नशा तस्करी या सेवन संबंधी किसी भी सूचना को थाने या हेल्पलाइन नंबर 1933/14446 पर देने हेतु जागरूक किया गया।य कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितों को नशे से दूरी है जरूरी की शपथ दिलाई गई। साथही शपथ पश्चात पुलिस अधीक्षक ने बच्चों से अपील की कि वे इस अभियान के पुलिस मित्र बनकर अपने गांव/फलिया मे जाकर इसी प्रकार नशे से दूरी है जरूरी की शपथ दिलवाकर इस अभियान को ओर विस्तार देवे। भावनात्मक जुड़ाव जब पुलिस अधीक्षक बने बच्चों के रोल मॉडल-कार्यक्रम के अंत में छात्राओं के एक समूह ने आग्रह किया कि वे पुलिस अधीक्षक सर के साथ फोटो खिंचवाना चाहती हैं। व्यास ने मुस्कराते हुए तुरंत स्वीकृति दी और बच्चों के बीच जाकर सहजता से उनके साथ फोटो खिंचवाई। यह क्षण एक औपचारिक आयोजन का नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास, अपनत्व और प्रेरणा का दृश्य बन गया, जिसमें छात्राओं ने अपने आप को सुरक्षित समझा हुआ महसूस किया।

बच्चों का उत्साह

राजेश व्यास ने कार्यक्रम को लेकर कहा कि बच्चों का उत्साह, उनकी सहभागिता और विषय के प्रति गंभीरता यह दर्शाती है कि हम एक सभ्य, नशामुक्त और सुरक्षित समाज की ओर अग्रसर हैं।यह अभियान केवल पुलिस का नहीं, बल्कि हर नागरिक, हर परिवार का है। जब बच्चा बोलता है। नशा मत करो तो समाज जरूर सुनता है।

नेपानगर प्रभारी नायब तहसीलदार दिनेशचंद्र भेवदींया को कार्य मुक्त कर पूर्व तहसीलदार को प्रभार दिए जाने हेतु ग्रामीणों ने आज कलेक्टर को दिया ज्ञापन

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले

नेपानगर। ग्राम झांझर के ग्रामीण जिला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर से मिलने पहुंचे उनके द्वारा 20दिसंबर 2024 में एक आवेदन अपने ग्राम की भूमि को आबादी में करने हेतु दिया गया था जो की उस समय तत्कालीन कलेक्टर भव्या मित्तल के द्वारा जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु। अनु विभाग के अधिकारी नेपानगर व तहसीलदार नेपानगर को भेजा गया था उसको आज 7 माह हो चुके हैं अनुविभागीय अधिकारी नेपानगर के द्वारा उसमें जांच प्रतिवेदन लगा के वर्तमान कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर दिया गया था। परंतु उसमें कुछ त्रुटियां होने के कारण आवेदन फिर से नेपानगर तहसील वापस भेजा गया जो वर्तमान तहसीलदार दिनेश भेवदिया उनके द्वारा उसमें रुचि नहीं ली जा रही है और कार्य के प्रति उदासीनता दिख रही है ग्रामीण वहां तहसील के चक्कर काट के परेशान हो रहे हैं। इस कारण ग्रामीणों ने तहसीलदार का विरोध करते हुए। कलेक्टर को आवेदन दिया कि उनको हटाकर पूर्व तहसीलदार को नियुक्त किया जाए ताकि ग्रामीणों की समस्या का हल हो सके ग्राम झिरी के सरपंच प्रतिनिधि विकास कैथवास ने बताया कि हमने इस मामले को विधायक नेपानगर मंजू राजेंद्र दादू को भी बताया है उनके द्वारा भी इस पर जल्द ही निराकरण करने के आश्वासन दिया गया है। यह एक बहुत बड़ी विडंबना है कि एक नायब तहसीलदार को इतनी बड़ी तहसील नेपानगर का प्रभार दिया गया और वह अपनी उदासीनता के कारण ग्रामीण को मोर्चा खोलना पढ़ा हैं अब देखना होगा कि उसमें शासन प्रशासन व जनप्रतिनिधि क्या कार्यवाही करते हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय कार्यालयों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले

बुरहानपुर। कार्यालयीन दस्तावेजों का संधारण व्यवस्थित रखें। औषधालयों में दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित रहे,यह निर्देश कलेक्टर हर्ष सिंह ने गुरुवार को जिला आयुष अधिकारी को दिए। विदित है कि गुरुवार को कलेक्टर हर्ष सिंह ने शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान,आयुष अधिकारी डॉ.कविता गढ़वाल मौजूद रही। कार्यालय का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने आवश्यक जानकारी प्राप्त की। विभाग द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों और कार्यों के संबंध में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि अधीनस्थ संस्थाओं द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रति दिवस देवे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें साथ ही सार्थक ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करवाना सुनिश्चित किया जाए। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री सिंह ने जिला पंजीयक कार्यालय का भी भ्रमण किया। उन्होंने कार्यों की जानकारी ली एवं उपस्थितजनों से संवाद भी किया। इस अवसर पर जिला पंजीयक श्री तोमर सहित संबंधित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिले में 13 सितम्बर को नेशनल लोक अदालत

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले

बुरहानपुर। जिले में 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा। इसी श्रृंखला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,बुरहानपुर अध्यक्ष व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत अंतर्गत पराक्राम्य लिखत अधिनियम एवं शमनीय योग्य प्रकरणों के संबंध में बैठक आयोजित रही।मीटिंग में चतुर्थ जिला न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी इन्दु कान्त तिवारी ने नेशनल लोक अदालत को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से धारा 138,परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रकरणों एवं शमनीय योग्य प्रकरणों को चिन्हित कर आपसी सहमति के आधार पर अंतिम निराकरण किये जाने हेतु प्रेरित किया,साथ ही अधिवक्तागण से चर्चा कर राजीनामा योग्य प्रकरणों की सूची तैयार कर जानकारी प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। सचिव एवं व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड प्रेमदीप सांकला ने कहा कि लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण करने से पक्षकारों के मध्य मधुर एवं सौहार्दपूर्ण संबंध बने रहते हैं। राजीनामा में ना किसी की हार,ना किसी की जीत होती है। उभयपक्ष का निर्णय अंतिम होता है, क्योंकि उसकी कोई अपील नहीं होती है। न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की पेंडेंसी भी कम होती है। उक्त बैठक में लोक अदालत को सफल बनाने हेतु अधिवक्तागणों से सुझाव आमंत्रित किये एवं अपील की गई कि वे अपने राजीनामा योग्य लंबित प्रकरण को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझौते के आधार पर राजीनामा कर निराकृत करवाए। वही विशेष अभियान की जानकारी देते हुये बताया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों का अधिक से अधिक समाधान किया जा रहा है जिसके लिए व्यापक अभियान चलाया गया है। राजीनामा से निराकृत होने वाले प्रकरणों में कोर्ट फीस की वापसी भी हो जाती है एवं नेशनल लोक अदालत में रखे जाने वाले विद्युत प्रकरणों एवं नगर पालिका निगम के जलकर,सम्पत्ति कर के प्रकरण में नियमानुसार मिलने वाली छूट का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। बैठक में अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री युनूस पटेल सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

बुजुर्गों की सेहत पर केंद्रित आयुष्मान आरोग्य शिविर का सफल आयोजन 723 लाभार्थियों ने लिया लाभ

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत गत दिवस जिले में बुजुर्ग और उपशामक स्वास्थ्य देखभाल विषय पर आधारित आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया गया। यह आयोजन संचालनालय आयुष भोपाल, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ.एस.आर.करोंजिया के मार्गदर्शन में गुरुवार को किया गया। शिविरों का आयोजन जिले के 12 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में किया गया, जिसमें 723 लाभार्थियों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया।

शिविर की प्रमुख गतिविधियाँ

शिविर के दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं हीमोग्लोबिन की नि:शुल्क स्क्रीनिंग की गई। इसी प्रकार आमवात, संधिवात (गठिया), प्रोस्टेट, मुख रोग, नेत्र विकार, त्वचा रोग एवं मानसिक विकारों के लिए औषधियाँ प्रदान की गईं। साथ ही रोगियों को योगाभ्यास की जानकारी भी दी गई। औषधीय पौधों जैसे हल्दी, नीम, करी पत्ता, जामुन, सहजन, घृतकुमारी की उपयोगिता बताते हुए नागरिकों को इन्हें अपने घरों में लगाने हेतु प्रेरित किया गया। वर्षा ऋतु जन्य व्याधियों से बचाव एवं उचित आहार-विहार की जानकारी दी गई। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु हल्दी, दालचीनी, अदरक, अजवाइन, सौंफ जैसे घरेलू मसालों के गुण बताए गए। नागरिकों को दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के विषय में मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

बोदरली से सीतापुर तक सड़क किनारे 350 पौधों का रोपण

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ग्राम बोदरली से सीतापुर तक लगभग 4 किलोमीटर की दूरी तक सड़क किनारे हरियाली का अद्भुत दृश्य साकार हुआ। हरियाली है समृद्धि की राह इस संदेश को आत्मसात करते हुए प्रशासन और ग्रामीणों ने मिलकर वृक्षारोपण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस वृक्षारोपण अभियान में अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान,डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार,एसडीएम अजमेरसिंह गौड,जनपद सीईओ दुर्गेश भूमरकर,जनपद सीईओ खकनार श्रीमती वंदना कैथल,प्रमोद मोदी,महिला एवं बाल विकास अधिकारी विजय सिंह सोलंकी,नायब तहसीलदार राजेंद्र चौहान,देवके,विजय पाटिल,सुधीर गुप्ता,मनीष कुवादे,अजेंद्र यादव,जनपद सदस्य बसंता चव्हाण,गायत्री परिवार के मनोज तिवारी,पर्यावरण मित्र संजय राठौड़,सरपंच ईश्वराज लहासे,सीतापुर सरपंच अमरसिंग् मंडलोई,शिक्षक,विद्यार्थी,ग्रामवासी एवं 250 श्रमवीरों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अभियान में कुल 350 पौधों का रोपण एवं पलाश के लगभग 7000 बीजों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। यह न केवल पर्यावरण का संरक्षण करता है,बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु और हरियाली का संदेश देता है।

प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ की जिला बैठक भव्य रूप से संपन्न

नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान, ग्वालियर महापंचायत में शामिल होने का आह्वान

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ की जिला स्तरीय बैठक जिला कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर व नियुक्ति पत्र प्रदान कर भव्य सम्मान किया गया।इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष शिबू विश्वकर्मा, जिला कार्यकारी अध्यक्ष विनोद जगताप, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवीनाथ लोखंडे, जिला महामंत्री कमलाकर तायवाड़े, जिला सचिव रामराव देशमुख, संगठन महामंत्री मनोहर अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष इदरीश विरानी एवं संदीप वाइकर, जिला मंत्री अल्केश धुर्वे और मनोज तायवाड़े, जिला संयुक्त सचिव पवन मनवर, आठनेर ब्लॉक अध्यक्ष विशाल पिपरोले, मनीष पटया, अनिल परते एवं राहुल चौधरी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

ग्वालियर में पत्रकार महापंचायत - पत्रकार हितों की गूंज बनेगी आवाज

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पवैया के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में पत्रकारों की आवाज को मजबूती देने के लिए ऐतिहासिक प्रयास किए जा रहे हैं। आगामी 27 जुलाई को ग्वालियर में भव्य पत्रकार महापंचायत आयोजित होगी, जिसमें पत्रकारों की समस्याओं और उनके समाधान पर मंथन होगा। मैं बैतूल जिले के सभी पत्रकार साथियों से आग्रह करता हूं कि वे अधिक से अधिक संख्या में ग्वालियर पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जताया आभार, पत्रकार एकजुटता पर दिया जोर

नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवीनाथ लोखंडे ने कहा

यह सम्मान मेरे लिए जिम्मेदारी और प्रेरणा का प्रतीक है। मैं जिले के पत्रकारों के हक और हितों के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। वहीं जिला महामंत्री कमलाकर तायवाड़े ने कहा संगठन ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए हम सभी मिलकर एकजुटता के साथ कार्य करेंगे। बैठक का समापन संगठनात्मक चर्चा और पत्रकार हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के संकल्प के साथ किया गया।

विधायक निधि से बन रहा मंच बनने से पहले ही धराशायी होने कि कगार पर

सरपंच-सचिव की मिलीभगत से जनता के पैसों की खुली लूट जनपद अधिकारी मौन एसी चैंबर में बैठकर हो रहा खेल, आखिर किसके संरक्षण में चल रहा घोटाला

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। जिले के आठनेर विकासखंड की ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि अब विधायक निधि से बने रहे निर्माण भी टिक नहीं पा रहे। सवाल उठ रहा है,क्या आठनेर को भी भीमपुर और चिचोली की तरह घोटालों की पहचान देने की तैयारी हो रही है अधिकारी जमीनी हकीकत देखने के बजाय एसी चैंबर में बैठकर सब कुछ ठीक दिखाने में जुटे हैं।ताजा मामला ग्राम पंचायत मुसाखेड़ी का है, जहाँ विधायक निधि से स्वीकृत 2 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे मंच निर्माण में भारी भ्रष्टाचार सामने आया है। सरपंच और सचिव ने ठेके पर दिया गया कार्य इतना घटिया करा दिया कि मंच बनने से पहले ही कालम में लगी लोहे की छड़ें मुड़ने लगी हैं। कमज़ोर नींव, घटिया लोहे की रॉड - लेंटर का भार नहीं उठा पाएगा मंच! यह मंच वर्षों तक लोगों को विधायक की याद दिलाने के लिए बनाया जा रहा था, लेकिन सरपंच-सचिव की बंदरबांट ने इसे महज़ कुछ महीनों तक टिकने लायक भी नहीं छोड़ा। नींव कमजोर है, लोहे की छड़ों में कम द्वद्व का इस्तेमाल किया गया है, और गुणवत्ता इतनी खराब है कि यह मंच जल्द ही खतरे का सबब बन सकता है।क्या प्रशासनिक स्वीकृति में ऐसे घटिया निर्माण की मंजूरी दी गई थी उपयंत्री आखिर क्या मॉनिटरिंग कर रहे हैं क्या अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में साझेदार हैं जब इस पर सवाल किया गया तो सीईओ सुश्री आस्था जैन ने कहा मैं अभी पता करती हूँ और आधे घंटे में जानकारी देती हूँ। वहीं सहायक यंत्री संतोष डेहरिया ने जवाब दिया आपके द्वारा जानकारी मिली है, मैं दिखवाता हूँ। लेकिन सिर्फ 'दिखवाने' से क्या जनता के पैसे की लूट रुकेगी

पुराने घोटाले भी दबे 2018-19 का अधूरा निर्माण अब तक लटका

यह पहली बार नहीं हुआ। 2018-19 में भी पूर्व सरपंच-सचिव ने विधायक निधि से पूरी राशि निकाल ली थी और निर्माण अधूरा छोड़ दिया था। उस घोटाले पर आज तक कोई जांच नहीं हुई। पहले भी खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ चुप्पी मिली।सबसे बड़ा सवाल यही है - जनपद के वरिष्ठ अधिकारी इस तरह के गंभीर मामलों पर कार्रवाई से क्यों बच रहे हैं क्या भ्रष्टाचार को अंदरखाने से संरक्षण मिल रहा है आखिर जनता की गाढ़ी कमाई को यूं ही लूटा जाएगा जनता जानना चाहती है - क्या आठनेर में भ्रष्टाचार पर कोई नकेल कसेगा, या फिर एसी चैंबर में बैठकर अधिकारियों की चुप्पी ही इस लूट का सबसे बड़ा हथियार बनी रहेगी।

ग्राम पंचायत बटकाखापा में एलिम्को आसरा दिव्यांग वरिष्ठ नागरिक लाभार्थी पंजियन सिविर का आयोजन किया गया

आसरा केंद्र द्वारा 40 लाख से ऊपर के निशुल्क कृत्रिम उपकरण वितरित

हर्ई बटकाखापा दैनिक अखबार खबरो की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ प्रियंक सोनी की रिपोर्ट। बटकाखापा भारत सरकार की केंद्रीय राष्ट्रीय बयोश्री योजना द्वारा ग्राम पंचायत बटकाखापा में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आसरा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय बयोश्री योजना एवं डुस्त्रद्वश्च योजना के अंतर्गत 40 लाख के सहायक कृत्रिम उपकरण 60 वर्ष से अधिक वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को वितरित किए गए। आसरा केंद्र जिला समन्वयक श्री मुकेश कुमार मालवीय ने बताया कृत्रिम सहायक उपकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही जिले की एकमात्र ऐसी संस्था जो 60 वर्ष से अधिक वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को कृत्रिम सहायक उपकरण लगातार उपलब्ध करा रही है भारत सरकार की केंद्रीय योजना के अंतर्गत कार्य कर रही स्वयंसेवी संस्था स्वावलंबन आसरा केंद्र छिंदवाड़ा ने दिव्यांग संस्था केंद्र बटकाखापा में विभिन्न विभिन्न प्रकार के कृत्रिम सहायक उपकरण जैसे कान की मशीन कमर बेल्ट घुटनों के बेल्ट वॉकर व्हीलचेयर छड़ी बैटरी चलीत ट्राई सायकिल व्हीलचेयर कमोड व्हीलचेयर आदि कृत्रिम सहायक उपकरण उपलब्ध कराया गया। राष्ट्रीय बयो श्री योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत बटकाखापा में एलिम्को आसरा केंद्र के द्वारा इस पंजीयन शिविर में लगभग 200 से ऊपर रजिस्ट्रेशन किया है इन लाभार्थियों को परिक्षण के बाद जल्द सामग्री प्रदान की जाएगी इस कार्यक्रम में विभिन्न ग्राम पंचायत के लाभार्थी उपस्थित जेसे ग्राम पंचायत बटकाखापा, बिछुआ, सालढाना, आंचलकुंड, चूरी साजवा, चोपना औझलढाना, आदि ऐसे ग्राम में एक सेक्टर बनाकर बटकाखापा लाभार्थियों को जागरूक करके उन्हें सूचना देकर उनका पंजीयन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मुकेश कुमार मालवीय, एलिम्को आसरा केन्द्र छिंदवाड़ा, सुदेश नागवंशी,सुमित राय, ग्राम पंचायत बटकाखापा सरपंच योगेंद्र शाह धुर्वे, उपसरपंच दुर्गेश साहू, आनंद सूर्यवंशी, रंजीत नामदेव, (ह्यूमन राइट्स) भारत गौरव सम्मान फाउंडेशन के जिला सचिव (दिल्ली) प्रियंक सोनी व विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव, दूर दराज से आए ग्रामीणों ने कृत्रिम सहायक उपकरण पाकर खुशी जाहिर की और बैटरी चलित ट्राईसाईकिल पाकर दिव्यांग जनों ने आसरा केंद्र को धन्यवाद प्रेषित किया एवं बड़ी संख्या में वृद्ध जन एवं दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

भाजपा की आगामी कार्यक्रमों को लेकर वर्चुअल बैठक संपन्न

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी जिला नर्मदापुरम की आगामी कार्यक्रमों के निमित्त महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक गुरुवार को संपन्न हुई। बैठक में संभाग प्रभारी पंकज जोशी,जिला प्रभारी सीमा सिंह,जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने मंडल से लेकर प्रत्येक बूथ तक सोशल मीडिया आईटी विभाग के कार्यों एवं मन की बात कार्यक्रम को शत प्रतिशत करने के दिशा निर्देश दिए। बैठक में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया,सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा,निवर्तमान जिलाध्यक्ष माधवदास अग्रवाल ने बैठक में उपस्थित मंडल अध्यक्षों से मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सुनिश्चित करने का मार्गदर्शन दिया। बैठक में आईटी जिला संयोजक राहुल पटवा ने पिछले महीने की मन की बात कार्यक्रम की रिपोर्टिंग की जानकारी दी। बैठक का संचालन सोशल मीडिया जिला संयोजक गजेन्द्र चौहान एवं आभार जिला कार्यालय मंत्री प्रशांत दीक्षित ने किया। बैठक में मोर्चा जिला अध्यक्ष,मंडल प्रभारी,मंडल अध्यक्ष,मंडल महामंत्री, मन की बात कार्यक्रम के मंडल प्रभारी,सहप्रभारी,आईटी एवं सोशल मीडिया के मंडल प्रभारी उपस्थित हुए।

10 साल की सेवा पर भत्ता नहीं, वेतन में हो रही देरी से कर्मचारियों में आक्रोश

आमला नगर पालिका में कर्मचारियों की समस्याओं का अंबार

भारतीय मजदूर संघ ने नव नियुक्त सीएमओ को सुनाई कर्मचारियों की व्यथा

ईपीएफ जमा नहीं, एरियर्स लंबित, गणवेश भी नहीं मिला

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। वर्षों से नियमितीकरण की राह देख रहे नगर पालिका परिषद आमला में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अब सब्र का बांध टूटने लगा है। वर्षों से लंबित वेतन, जमा नहीं हो रही ईपीएफ राशि, शासन के निर्देशों के बावजूद नहीं मिला गणवेश और एरियर जैसी परेशानियों के बीच कर्मचारियों ने भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले नव नियुक्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कर्मचारियों में काफी नाराजगी देखी गई।भारतीय मजदूर संघ आमला इकाई ने अध्यक्ष प्रमोद कुमार के नेतृत्व में नगर पालिका और नगर पंचायत के सभी कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं और मांगों को विस्तार से रखा गया। ज्ञापन में कर्मचारियों ने साफ किया कि उन्हें विगत कई माह से समय पर वेतन नहीं मिल रहा है, जिससे घर चलाना मुश्किल हो गया है। वहीं वेतन से ईपीएफ की राशि तो कटती है, लेकिन बीते 4 से 6 माह से वह कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं हो रही है। इसके अलावा कर्मचारियों ने बताया कि शासन के आदेशों के अनुसार जो कर्मचारी छठवां वेतनमान प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें दिसंबर 2024 से मार्च 2025 तक का एरियर भुगतान किया जाना था, जो अब तक नहीं हुआ है। इसी प्रकार शासन के नियमानुसार ऋजु अनुसार गणवेश भी अब तक वितरित नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने यह भी मांग की कि जिन कर्मचारियों ने 10 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है, उन्हें शासन के अनुसार निर्धारित अतिरिक्त भत्ता प्रदान किया जाए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

गृह जिले में जननी-108 सेवा की खुली लूट

गरीबों से वसूले जा रहे पैसे, न देने वालों को घंटों अस्पताल में भटकना पड़ रहा, सत्ता संरक्षण में मनमानी चरम पर

कमलाकर तायवाड़े बैतूल। मध्यप्रदेश सरकार भले ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन बैतूल जिले में इन दावों की पोल बुरी तरह खुल रही है। जिला अस्पताल में जननी और 108 एम्बुलेंस सेवाएं गरीबों के लिए राहत नहीं, बल्कि मुसीबत बन गई हैं। सरकार की योजनाएं जिन जरूरतमंदों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए बनाई गई थीं, आज वहीं लोग इन सेवाओं के लिए सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। जिला चिकित्सालय में दिनभर डिलीवरी के बाद घर जाने को तैयार प्रसूताएं सरकारी जननी वाहन का इंतजार करती रहीं, लेकिन गाड़ी नहीं आई। जिन परिजनों ने एम्बुलेंस चालकों को पैसे दिए उन्हें प्राथमिकता से अस्पताल से घर तक पहुंचा दिया गया, जबकि गरीब मरीज घंटों अस्पताल के चक्कर काटते रहे।एम्बुलेंस चालकों का रवैया पूरी तरह मनमानी भरा हो गया है। उनका साफ कहना है कि जब तक खर्चा-पानी नहीं मिलेगा, तब तक गाड़ी नहीं चलेगी। जिनके पास पैसे नहीं हैं, वे दिनभर भोपाल कंट्रोल रूम में फोन लगाते रह जाते हैं, लेकिन चालक कॉल रिसीव करना भी जरूरी नहीं समझते। कॉल रिसीव भी हो तो 'गाड़ी व्यस्त है' का बहाना बनाकर मना कर दिया जाता है। अंतत: गरीबों को थक-हारकर जेब से पैसे निकालने पड़ते हैं। एक प्रसूता के परिजन ने बताया कि उन्होंने कई बार कॉल किया, घंटों इंतजार किया, लेकिन गाड़ी नहीं आई। जब चालक से सीधे बात हुई तो उसने साफ कहा अगर तुरंत गाड़ी चाहिए तो पैसे देने होंगे, वरना इंतजार करो।सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जननी और 108 सेवाओं का ठेका एक ऐसे ठेकेदार के पास है, जो सत्ता धारी पार्टी के वरिष्ठ नेता का खास माना जाता है। राजनीतिक संरक्षण के दम पर यह ठेकेदार न केवल पूरे जिले में मनमानी कर रहा है, बल्कि उसकी शह पर एम्बुलेंस चालक भी गरीबों को खुलेआम लूट रहे हैं। जिला अस्पताल में रोजाना ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जहां गरीब परिवार बेबस होकर अस्पताल में खड़े रहते हैं और उन्हें कोई सुनने वाला नहीं होता। वहीं जिनके पास पैसे हैं उन्हें तुरंत प्राथमिकता के साथ सेवा दी जाती है।जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन तक मरीजों की शिकायतें नहीं पहुंच पातीं। मरीजों के परिजन अधिकारियों से मिलने की कोशिश करते हैं लेकिन उन्हें जवाब तक नहीं मिलता। यहां तक कि मीडिया के कॉल तक रिसीव नहीं किए जाते। प्रशासनिक स्तर पर भी इस भ्रष्टाचार पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है। नतीजा यह है कि गरीब परिवार इलाज का खर्च उठाने के बाद भी राहत की उम्मीद में तरस रहे हैं।यह स्थिति उस जिले की है, जिसे सत्ता के शीर्ष नेताओं का गृह जिला कहा जाता है। यहां पर गरीब और मजदूर वर्ग के साथ जिस तरह की लूट मची हुई है, वह सरकारी योजनाओं की असलियत उजागर करती है। जननी और 108 जैसी योजनाएं जिनका मकसद गरीबों और जरूरतमंदों को नि:शुल्क एवं त्वरित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना था, आज उन्हीं से वसूली का जरिया बना दी गई हैं।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन, कलेक्टर और स्वास्थ्य विभाग इस खुली लूट पर संज्ञान लेंगे या फिर सत्ता संरक्षण में गरीबों की जेब काटने का यह सिलसिला ऐसे ही चलता रहेगा बैतूल की तस्वीर साफ कर रही है कि सरकार की 'मुफ्त स्वास्थ्य सेवा' के दावे महज कागजों तक सीमित हैं और जमीन पर जनता को सिर्फ परेशानी और लूट का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यालय नगर परिषद आठनेर जिला – बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/2025/ आठनेर दिनांक / /2025

–: नामांतरण सूचना :–

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरीय क्षेत्र में भवन/भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु निम्न आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुए है। जिनका विवरण निम्नानुसार है–

क्रं.	क्रेता/हस्तांतरिती	विक्रेता/हस्तांतरण कर्ता	वार्ड क्रं.	भवन भूमि का क्रं. एवं विवरण	नामांतरण का आधार
1	श्री खेमराज/कृष्णराव	श्री कृष्णराव/धुंधाजी	9	भवन	रजिस्टर्ड हगत्याग पत्र के आधार पर
2	श्री खेमराज/कृष्णराव	श्री कृष्णराव/धुंधाजी	8	भवन	राजस्व रिकार्ड एवं मृत्यु प्रमाण पत्र
3	श्रीमती स्नेहलता/प्रेमचंद	श्री शांतिलाल/प्रेमचंद	15	भवन	फौतीनामातंरण
4	श्रीमती ममता/अशोक	श्री अशोक/बंशीलाल	14	भवन	फौतीनामातंरण
5	श्री धनराज/दौलतराव	श्रीमती कविता/सुरेश	9	भवन	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
6	श्रीमती उषा/मधु घोरसे	श्री मधु/शंकर घोरसे	1	भवन	फौतीनामातंरण
7	श्रीमती उषा/मधु घोरसे	श्री मधु/शंकर घोरसे	15	भवन	फौतीनामातंरण
8	श्री मो. शोहेब/जकरिया	श्री जकरिया/अब्दुल रजाक	10	भवन	फौतीनामातंरण
9	श्री सुनिल/नारायण	श्री निखिल/सुनिल	3	भू–खण्ड	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
10	श्री जितेन्द्र/नंदु	श्री निखिल/सुनिल	3	भू–खण्ड	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर

उक्त भवन/भूमि पर नाम परिर्वतन किए जाने के संबंध में किसी व्यक्ति संस्था/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति ईश्तेहार प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर मय अभिलेख के साक्ष्य सहित के लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर न. पा. अधिनियम 1961 की धारा 151 के अंतर्गत अभिलेखो में प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर नामांतरण कर दिया जावेंगा।

(सुषमा मनोज जगताप)	(विनय रामदयाल जितपुरे)	(श्रीमती गायत्री कैलाश आजाद)	(सैयद आरिफ हुसैन)
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सभापति, राजस्व शाखा	मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद आठनेर	नगर परिषद आठनेर	नगर परिषद आठनेर	नगर परिषद आठनेर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक मो. साबिर खान द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स 26, देशबंधु परिसर जोन-1 एमपी नगर से मुद्रित एवं मकान नंबर 2, गली नंबर 2 न्यू सब्जी मंडी सिलावट पुरा भोपाल (मध्य प्रदेश) से प्रकाशित!
प्रधान संपादक: मो. साबिर खान-मो नं. 9893887934 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) Email-khabrokiroshniroshni@gmail.com